दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-159 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 01 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर उच्चतम न्यायालय के तीखे सवाल

चयन समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटाने का कारण पूछा

-न्यायालय बोला-प्रक्रिया केवल निष्पक्ष ही नहीं, निष्पक्ष दिखनी भी चाहिए; सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (आरएनएस)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े मुख्य चुनाव आयुक्त एवं चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे। न्यायालय ने चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को शामिल नहीं किए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में निष्पक्षता केवल होनी ही नहीं चाहिए, बल्कि वह दिखाई भी देनी चाहिए।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक और लोकपाल की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश चयन समिति का हिस्सा होते हैं, फिर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त जैसे लोकतंत्र के अत्यंत महत्वपूर्ण पदों की नियुक्ति में उन्हें क्यों बाहर रखा गया। न्यायालय ने पूछा कि इसके पीछे क्या कारण हो सकता है।सुनवाई पूरी होने के बाद पीठ ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए महान्यायवादी (सॉलिसिटर जनरल) तुषार मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री के पद की अपनी गरिमा और पवित्रता है। न्यायालय यह मानकर नहीं चल सकता कि प्रधानमंत्री गलत मंशा से कार्य करेंगे। केवल चयन समिति में बहुमत होने के आधार पर यह मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र के विरुद्ध या दुर्भावना से निर्णय लेंगे।उन्होंने कहा कि यदि प्रधानमंत्री के निर्णय पर ही भरोसा नहीं किया जाएगा, तो क्या मंत्रिमंडल के गठन के समय भी किसी पूर्व न्यायाधीश से सलाह लेने की अनिवार्यता कर दी जाएगी।

कांवड़ यात्रा के दौरान हादसा; गंगनहर में डूबने से चंडीगढ़ के चार कांवड़ियों की मौत

हरिद्वार, (आरएनएस)। कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार बड़ा हादसा हो गया। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र जटवाड़ा पुल के पास शुक्रवार शाम गंगनहर में नहाते समय चार कांवड़ यात्री डूब गए। हादसे में चारों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद चारों युवकों के शव गंगनहर से बरामद कर लिए गए। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को पुलिस को जटवाड़ा पुल के पास चार युवकों के गंगनहर में डूबने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया।

महाराष्ट्र के ठाणे ज़िले के भिवंडी में चार मंज़िला इमारत गिरने के बाद बचाव दल ने खोज और बचाव अभियान चलाया। इस घटना में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई।

एलएसी के पास बॉलीवुड गाना गाते दिखे चीनी सैनिक, भारतीय सैनिक ने बनाई वीडियो

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत और चीन के बीच बनी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल दिखाई दे रहा है। वीडियो में चीनी सैनिक बॉलीवुड फिल्म मोहब्बतें का लोकप्रिय गीत आंखें खुली हों या हों बंद मोबाइल पर सुनते और गुनगुनाते नजर आ रहे हैं, जबकि एक भारतीय सैनिक इस पूरे दृश्य का वीडियो बना रहा है।हालांकि, यह वीडियो कब और कहां का है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। किसी भी सरकारी एजेंसी या भारतीय सेना की ओर से भी इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की गई है।सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक ओपन सोर्स इंटेलिजेंस (खुले स्रोतों से जानकारी जुटाने वाले) खाते से साझा किए गए इस वीडियो के साथ लिखा गया है कि, एलएसी के पास कहीं भारतीय सेना और पीएलए के जवानों ने कुछ यादगार और भावुक पल साझा किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय परिवार के घर किया भोजन

मुख्यमंत्री थांदला में पहुंचे बसंत सिंह बामनिया के घर जनजातीय बहनों से बंधवाई राखी, बच्चों को दिया स्नेह-दुलार

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव झाबुआ जिले के थांदला में जनजातीय समुदाय के बसंत सिंह बामनिया के घर पहुंचकर उनके परिवार के साथ समय बिताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवार के सदस्यों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने जनजातीय बहनों से सावन मास में रक्षाबंधन से पूर्व राखी बंधवाई तथा बच्चों को स्नेह-दुलार देकर उन्हें अपनेपन का एहसास कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज थांदला में आयोजित प्रदेश स्तरीय स्व-सहायता समूहों के क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम में होंगे शामिल होने के लिए पहुंचे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ प्रभारी मंत्री विजय शाह और श्रीमती निर्मला भूरिया तथा सांसद श्रीमती अनिता नागर सिंह चौहान भी उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने परिवार के बीच बैठकर उनके साथ भोजन ग्रहण किया।

गोदड़ी पर बैठकर पत्तल में किया भोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य जन की तरह गोदड़ी पर बैठकर पत्तल में भोजन किया। मिट्टी और गारे से बने सादे घर के आंगन में परिवार के बीच बैठकर उन्होंने आत्मीय वातावरण में भोजन ग्रहण किया। परिवार की महिलाओं ने अपने हाथों से पारंपरिक जनजातीय व्यंजन बड़े प्रेम और आत्मीयता के साथ परोसे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशेष रूप से उड़द की दाल-पानिया का स्वाद लिया तथा भोजन की सराहना करते हुए परिवार द्वारा दिये गये प्रेम और सम्मान का आभार जताया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव की कलाई पर जनजातीय समुदाय की बहनों ने राखी बांधकर उनके मंगलमय जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों को शुभकामनाएं दीं।

लाड़ली बहनों और लाड़ली लक्ष्मी बेटियों से मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवार की लाड़ली बहनों और लाड़ली लक्ष्मी बेटियों से हालचाल जाना तथा उनसे अपनत्व भरी बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा हर परिवार की खुशहाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवार के बच्चों से भी बड़े स्नेहपूर्वक मुलाकात की। बच्चों के साथ सहज बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन 19 साल बाद लौटीं कोलकाता

कोलकाता (आरएनएस)। बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन 19 साल बाद पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता लौट आई हैं। यहां नसरीन रवींद्र सदन में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम में शामिल होंगी। अपनी रचनाओं के कारण भारी विरोध देखने वाली नसरीन ने 1994 में बांग्लादेश छोड़ा था और तब से निर्वासन झेल रहीं हैं। वह शुक्रवार को सीधे न्यूयॉर्क से कोलकाता पहुंची हैं, जहां उनकी आत्मकथा का विमोचन होगा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नसरीन ने शहर आने से पहले आशा व्यक्त की थी कि यह यात्रा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और असहमति की आवाज़ों के संरक्षण के महत्व को पुन: स्थापित करेगी।

उत्तर भारत में अब तक सामान्य से 13.9 फीसदी कम बारिश, अगस्त में राहत की उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर भारत में मॉनसून के मौसम के बावजूद बारिश की कमी बनी हुई है. उत्तर प्रदेश में सामान्य 342.8 मिलीमीटर के मुकाबले 258.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई जो 25 फीसदी की कमी है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में सामान्य से 32 फीसदी कम बारिश हुई है. भदोही, देवरिया, जौनपुर, कानपुर देहात, कौशांबी, कुशीनगर, रायबरेली, संत कबीर नगर और सीतापुर जैसे जिलों में 50 फीसदी से ज़्यादा बारिश की कमी रिकॉर्ड की गई है.मौसम विभाग को उम्मीद है कि अगस्त के पहले हफ़्ते में मॉनसून की गतिविधियां फिर से शुरू हो जाएंगी क्योंकि मॉनसून की ट्रफ उत्तर की ओर बढ़ेगी. दिल्ली-एनसीआर में नमी वाला मौसम बना हुआ है. इस हफ़्ते के आखिर में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है. कुल मिलाकर, उत्तर भारत सामान्य से

13.9 फीसदी कम है, जिसमें हरियाणा-दिल्ली (-26फीसदी), पंजाब (-33फीसदी), बिहार (-42फीसदी) और पूर्वी उत्तर प्रदेश (-33फीसदी) सबसे ज़्यादा प्रभावित हैं।

पूरे पूर्वोत्तर भारत में मॉनसून की हलचल जारी है. असम में भयंकर बाढ़ आई है. सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि 10 से 29 जुलाई के बीच ब्रह्मपुत्र बेसिन में बाढ़ का पानी फैल गया. इससे 6 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए. जोरहाट में लगभग 40,000 लोग प्रभावित हुए क्योंकि 434.5 स्क्वेयर किलोमीटर जमीन, जिसमें खेती की जमीन भी शामिल है, पानी में डूब गई. शिवसागर में, लगभग 446 स्क्वेयर किलोमीटर दिखो नदी के ओवरफ्लो होने के बाद जिले का लगभग 28 फीसदी हिस्सा डूब गया।

मध्य विदर्भ पर केंद्रित एक दबाव 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है, जिससे विदर्भ और मध्य प्रदेश में व्यापक वर्षा हो रही है. विदर्भ में भारी बारिश से एक की मौत हो गई है, जबकि बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य जारी है. मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एसडीआरएफ ने ड्रोन और बचाव नौकाओं का उपयोग करके भारी बारिश के बाद एक नदी के द्वीप पर फंसे चार युवाओं को बचाया।

अंकित शर्मा हत्याकांडः पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद

नईदिल्ली,(आरएनएस)। फरवरी 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को कड़कड़डूमा कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। उनके साथ ही अदनान, जावेद, नाजिम और कासिम को भी उम्रकैद हुई है। इससे पहले कोर्ट ने मामले में इन 5 लोगों को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने कहा, यह बेहद गंभीर घटना थी, जिसने समाज को झकझोर दिया। जिस तरह से ये हुआ, उसने समाज को आत्मनिरीक्षण करने और हत्या की ओर ले जाने वाली घटनाओं पर विचार करने के लिए मजबूर कर दिया। कोर्ट ने माना कि यह अपराध गंभीर प्रकृति का था और सभी दोषियों के लिए आजीवन कारावास ही उचित था। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि पीड़ित को खून के प्यासे हिंसक गिरोह ने मार डाला। दिल्ली पुलिस ने दोषियों के लिए फांसी की सजा की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे ठुकरा दिया। कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने के लिए कोई सबूत पेश करने में विफल रहा कि पांचों दोषियों का स्वभाव हिंसक था या उनमें इस तरह के अपराध करने की निरंतर प्रवृत्ति थी। कोर्ट ने यह भी पाया कि इनमें से किसी भी दोषी का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था।

कांवड़ यात्राः बदला स्वरूप, यात्रियों की संख्या बढ़ी

उत्तरकाशी (आरएनएस)। सावन की शिवरात्रित के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों से कांवड़ यात्री गंगाजल भरने के लिए गंगोत्री धाम और गोमुख पहुंच रहे हैं। स्थानीय लोगों की माने तो पिछले आठ से दस वर्षों में कांवड़ यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पहले देश के विभिन्न प्रदेशों से आकर पैदल कांवड़ यात्री कांवड़ लेकर जाते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों में डाक कांवड़ के बढ़ते प्रचलन के कारण आस्था के साथ हुड़दंग भी देखने को मिल रहा है। आगामी 11 अगस्त को सावन की शिवरात्रि के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों से कांवड़ यात्री गंगोत्री और गोमुख से गंगाजल भरकर ले जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को गाली देने वाली नोएडा की युवती के खिलाफ एफआईआर पर सीजेपी का विरोध

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी करने वाली युवती रुचिका सिंह के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी का कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने विरोध किया है। पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने सामाजिक माध्यम एक्स पर पुलिस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए इसे आपराधिक न्याय व्यवस्था का दुरुपयोग करार दिया।

सौरव दास ने अपने संदेश में लिखा कि रुचिका सिंह के खिलाफ आपराधिक कानून का गलत इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा अपशब्द कहने मात्र से आपराधिक मामला नहीं बनता। उन्होंने यह भी दावा किया कि लोकसभा के लगभग 50 प्रतिशत सांसदों के विरुद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं, जिनमें करीब 100 सांसद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हैं। उनके अनुसार, पुलिस को अपनी ऊर्जा ऐसे मामलों पर खर्च करनी चाहिए, न कि 25 वर्ष की एक युवती के खिलाफ।उन्होंने कहा कि युवाओं को परेशान करना तत्काल बंद किया जाना चाहिए और सवाल उठाया कि इस देश में गाली देना कब से अपराध बन गया।रुचिका सिंह का कथित रूप से प्रधानमंत्री के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए वीडियो सामाजिक माध्यमों पर सामने आने के बाद गाजियाबाद निवासी स्मृति सिंह ने नोएडा के एक्सप्रेस-वे थाने में शून्य प्राथमिकी (जीरो एफआईआर) दर्ज कराई।

संसद परिसर बना विपक्ष का राजनीतिक रंगमंच, राम मंदिर चंदा चोरी पर नुक्कड़ नाटक

नईदिल्ली, (आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी का मामला शांत होते नहीं दिख रहा है। शुक्रवार को विपक्षी सांसदों ने एक बार फिर संसद परिसर में इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया, जो नुक्कड़ नाटक जैसा था। बिहार से निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू सिंह इस नाटक में मंदिर के पुजारी बने हुए थे, जो अपने साथ भगवान राम की तस्वीर और दान पात्र रखे थे। नाटक में विपक्ष के नेता और अन्य सांसद भक्त बने थे। संसद परिसर के बाहर हो रहे इस नाटक में सभी विपक्षी सांसद घेरा बनाकर खड़े हैं और उनके बीच साधु के वेश में सांसद पप्पू बैठे थे। तभी राहुल गांधी भीड़ से निकलकर आते हैं और पप्पू सिंह को नमस्कार कर दान देते हैं। इसके बाद एक अन्य सांसद राहुल को पैसे देते हैं और दान पात्र में डालने को कहते हैं।जब राहुल दान पात्र में पैसे डालते है, तो पप्पू सिंह इसे निकालकर जेब में रख लेते हैं। विपक्षी सांसदों ने नाटक से यह दिखाने की कोशिश की कि राम मंदिर में कैसे भक्तों का चंदा हड़पा जा रहा है। नाटक में अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद प्रमुख रूप से दिखाई दिए। सांसद चढ़ावा चोर गद्दी छोड़ के नारे लगा रहे थे।

सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह से पैलेट-गन मामले में संसद में आकर जवाब देने की मांग भी की।

सेना प्रमुख ने लॉन्च किया स्वदेशी 'एक्सट्रीम वेदर ग्रेड' डीजल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय सेना ने चरम जलवायु परिस्थितियों में परिचालन क्षमता को नई मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने शुक्रवार को नई दिल्ली में स्वदेशी रूप से विकसित एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (एक्सडब्ल्यूजी) डीजल का औपचारिक शुभारंभ किया। भारतीय सेना और तेल विपणन कंपनियों के संयुक्त प्रयास से विकसित यह विशेष ईंधन अत्यधिक ठंड और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात लड़ाकू तथा रसद वाहनों के प्रदर्शन, सुरक्षा और विश्वसनीयता को बढ़ाएगा। यह स्वदेशी तकनीक आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने के साथ-साथ भविष्य में अत्यधिक शीत क्षेत्रों में नागरिक उपयोग के लिए भी उपयोगी साबित होगी।

दैनिक क्षितिज ✌ किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में

संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती कर रही उन्नतशील कृषि सखियों से किया संवाद

कृषि सखियों से प्राकृतिक खेती से हो रही आमदनी और प्राकृतिक तकनीकों के बारे में जाना

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि झाबुआ जिले में प्राकृतिक खेती के पर्याप्त अवसर हैं। प्राकृतिक खेती न सिर्फ सेहत के लिए, बल्कि अच्छी आमदनी का भी अवसर प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में नए अवसर पैदा हुए हैं। इसके लिए प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत सभी आवश्यक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को झाबुआ जिले के थांदला में प्रदेश स्तरीय स्व-सहायता समूहों का क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई प्राकृतिक खेती कर रहीं उन्नतशील कृषि सखियों और किसानों से संवाद किया। उन्होंने किसानों के अनुभव जाने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने की जीवामृत और बीजामृत बनाने का प्रशिक्षण देने वाली उन्नत कृषि सखियों के कार्यों की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम देवीगढ़, विकासखंड मेघनगर की उन्नतशील कृषि सखी श्रीमती संगीता डामोर से संवाद कर प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उनके अनुभवों एवं प्रयासों की सराहना की। संवाद के दौरान श्रीमती डामोर ने बताया कि उन्होंने कृषि सखी के रूप में प्राकृतिक खेती का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्तमान में वे अपने गांव एवं आसपास के 125 किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दे रही हैं। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से बीजामृत, जीवामृत और नीमास्त्र जैसे प्राकृतिक आदान बनाने की विधियां बता रही हैं। उन्होंने बताया कि वे लगभग एक हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती कर रही हैं तथा पिछले चार वर्षों से आत्मा परियोजना से जुड़कर नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने के साथ अन्य किसानों तक भी पहुंचा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि प्राकृतिक खेती एवं बेहतर फसल प्रबंधन अपनाने से गेहूं का उत्पादन 35 क्विंटल से बढ़कर 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया, जिससे उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और आय में वृद्धि का प्रभावी माध्यम बन रही है। श्रीमती डामोर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं कृषि सखियों के पास जाकर उनसे प्राकृतिक खेती के अनुभवों को जाना और प्राकृतिक खेती से होने वाली आमदनी की जानकारी ली। उन्होंने सभी बहनों को आगामी रक्षाबंधन के त्योहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ जिले के विकासखंड झाबुआ के ग्राम खेड़ी निवासी प्रगतिशील कृषक विमल भाबोर से संवाद कर प्राकृतिक खेती के उनके अनुभव जाने।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान को मिल रही लगातार वैश्विक पहचान अभियान के अंतर्गत बालाघाट पुलिस ने भी रचा नया अध्याय

1 मिनट की सामूहिक शपथ में 1 लाख 25 हजार विद्यार्थियों एवं 5 लाख से अधिक ऑनलाइन सहभागियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व तथा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान जनसहभागिता के माध्यम से एक प्रभावी सामाजिक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हो रहा है। अभियान के अंतर्गत बालाघाट पुलिस द्वारा नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित अभिनव पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है।बालाघाट पुलिस ने अभियान के दौरान आयोजित एक मिनट के नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम के माध्यम से जनभागीदारी का नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस कार्यक्रम में जिले के 1 हजार 204 विद्यालयों के लगभग 1 लाख 25 हजार विद्यार्थियों ने एक साथ नशे से दूर रहने एवं समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इसके साथ ही 5 लाख से अधिक नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से अभियान से जुड़कर नशामुक्ति के इस जनआंदोलन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।इस व्यापक जनसहभागिता, प्रभावी जनजागरूकता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता को दृष्टिगत रखते हुए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स , लंदन ने बालाघाट पुलिस की इस उपलब्धि को विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान करते हुए Certificate of E&cellence से सम्मानित किया है।यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि नशे के विरुद्ध प्रभावी जनजागरूकता केवल प्रशासनिक प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग—विशेषकर विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों, अभिभावकों तथा नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है। बालाघाट पुलिस द्वारा संचालित यह पहल जनसहभागिता आधारित पुलिसिंग तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी है। नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेश में नशामुक्ति शपथ, जनजागरूकता रैलियां, संवाद कार्यक्रम, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताएं निरंतर संचालित कर रही है। अभियान का उद्देश्य समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण में सहभागी बनाना है।बालाघाट पुलिस की यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान अभियान के प्रति नागरिकों के विश्वास, व्यापक जनसहभागिता तथा समाज को नशामुक्त बनाने के सामूहिक संकल्प का सशक्त प्रतीक है।उल्लेखनीय है कि नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत विगत दिनों इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने 1 लाख 75 हजार 451 नागरिकों को एक साथ नशामुक्ति की ई-शपथ दिलाकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था।

विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश समेत तीन प्रमुख मांगों को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

भोपाल, (निप्र.)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल के आदिवासी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विश्व आदिवासी दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने, आदिवासी क्षेत्रों की शासकीय संस्थाओं के निजीकरण पर रोक लगाने और रीवा में आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष की हत्या के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।ज्ञापन में 9 अगस्त को मनाए जाने वाले विश्व आदिवासी दिवस पर राज्यस्तरीय सार्वजनिक अवकाश घोषित करने, आदिवासी क्षेत्रों के शासकीय आईटीआई, छात्रावासों एवं स्वास्थ्य केंद्रों के निजीकरण पर तत्काल रोक लगाने तथा रीवा आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष की हत्या के दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान विधायक फूंदेलाल मार्को, केदार डाबर, झूमा सोलंकी, संजय उइके और सुनील उइके भी मौजूद रहे।मुलाकात के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि आदिवासी समाज के सम्मान, अधिकार और भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को पूरी गंभीरता के साथ मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया है। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस पर राजकीय अवकाश घोषित करने, आदिवासी छात्रावासों व अन्य शासकीय संस्थानों के निजीकरण पर रोक लगाने, जर्जर छात्रावासों की स्थिति में सुधार करने तथा रीवा हत्याकांड के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग दोहराई।

मुख्य सचिव, सीएम सचिवालय के अफसरों के स्टाफ बदले

मंत्रालय में हुआ फेरबदल, कुछ और अधिकारी कर्मचारी बदले जाएंगे

भोपाल(आरएनएस)। अनुराग जैन को नीति आयोग का सीईओ बनाए जाने और उनके दिल्ली जाने के बाद नए मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल के स्टाफ में आंशिक बदलाव हुआ है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय में भी नए अफसरों की पदस्थापना के साथ उनके स्टाफ के अफसर, कर्मचारी बदले गए हैं।इन सीनियर अफसरों के स्टाफ में हुए बदलाव में उनके निज सचिव और स्टेनोटाइपिस्ट के पद पर नए कर्मचारी पदस्थ किए गए हैं। सभी बदले गए अधिकारी कर्मचारी मंत्रालय सेवा के हैं। अभी कुछ और बदलाव हो सकते हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के बाद मुख्य सचिव बर्णवाल के निज सचिव की जिम्मेदारी अब अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के निज सचिव का काम देख रहे हरिशंकर भार्गव संभालेंगे। इसी तरह अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सचिन सिन्हा के निज सचिव पद पर सामान्य प्रशासन पूल में पदस्थ शेख हबीब को पदस्थ किया गया है। इनके अलावा प्रमुख सचिव राजस्व और नर्मदा घाटी विकास विभाग डॉ ई. रमेश कुमार के निज सचिव पद पर संजय कुमार जोशी, स्टेनोटाइपिस्ट पद पर योगेश गोयल की पदस्थापना की गई है।

भोपाल में चौक बाजार की कपड़ा दुकान में आग

छोटा रास्ता, बेरिकेडिंग के चलते दमकल पहुंचने में देरी; व्यापारियों ने काबू पाया

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के चौक स्थित एक कपड़ा दुकान में शुक्रवार की दोपहर आग लग गई। दुकान से धुआं उठते देख दुकानदार बाहर निकले। इसके बाद आग पर काबू पाने की कोशिश होने लगी। फायर स्टेशन को सूचना दी गई, लेकिन रास्ते में बेरिकेडिंग और रास्ता छोटा होने से दमकल के पहुंचने में देरी हो गई।

चौक बाजार में नेमा डिजाइनर स्टूडियो है। यही पर दोपहर में आग लगी थी। शार्ट-सर्किट की वजह से आग लगना सामने आया है। लोगों की मदद से आग पर जल्दी काबू पा लिया गया। बावजूद लाखों रुपए का नुकसान हो गया। इस स्टूडिया में दुल्हन के लहंगे समेत अन्य कपड़े मिलते हैं।

मोती मस्जिद के पास बेरिकेडिंग, घूमकर आना पड़ा

ट्रैफिक व्यवस्था के चलते पुलिस ने मोती मस्जिद के पास बेरिकेडिंग कर वन-वे कर रखा है। इस वजह से दमकल यहां से नहीं आ पाई और उसे घूमकर पहुंचना पड़ा। संकरा रास्ता होने से और देरी हो गई। इस वजह से दमकल 40 से 50 मिनट लेट पहुंची। बीच में टूव्हीलर खड़े होने से दिक्कतें और भी बढ़ गईं। इस कारण लोगों में नाराजगी देखने को मिली।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुकान में लगी आग समय पर बुझा दी गई। वरना बड़ा हादसा हो सकता था, क्योंकि इस दुकान के पास में ही अन्य दुकानें भी सटी हुई हैं। आग फैलती तो आसपास की दुकानों को भी चपेट में ले सकती थी।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने सड़क सुरक्षा प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

भोपाल(आरएनएस)। सड़क सुरक्षा प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) में आयोजित किया गया। इसमें सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात परिवहन की नई तकनीकों से परिचय, वाहन दुर्घटनाओं में पीड़ितों को शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता, कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाने संबंधी जानकारी दी गयी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मोहम्मद शाहिद अबसार के निर्देशानुसार यह प्रशिक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से आरक्षक स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों को दिया गया। प्रशिक्षण सत्र में शासकीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार, यातायात प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा प्रबंधन, यातायात प्रबंधन एवं पोस्ट क्रेश प्रबंधन विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गयी। मध्यप्रदेश में सड़कों पर होने वाली वाहन दुर्घटनाओं एवं दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

LLBका छात्र फर्जी पुलिस बनकर कर रहा था वसूली

वाहन चेकिंग के दौरान पब्लिक ने घेरा,कहा-आईडी कार्ड दिखाओ; कमर में लगा रखी थी नकली पिस्टल

भोपाल, (निप्र.)। राजधानी के शाहपुरा थाना क्षेत्र में फर्जी पुलिस बनकर राहगीरों से वसूली करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गुरुवार रात गिरफ्तार किया है। दोनों सिविल ड्रेस में चौराहे पर वाहन चालकों को रोककर खुद को पुलिसकर्मी बताते थे और हेलमेट व अन्य नियमों का हवाला देकर रुपए मांगते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक नकली पिस्टल भी बरामद की है। दोनों के खिलाफ फर्जी पुलिस बनकर वसूली करने समेत विभिन्न धाराओं में शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की है। शाहपुरा थाना प्रभारी संतोष मकराम ने बताया कि गुरुवार रात करीब 9:30 बजे शाहपुरा चौराहे से सूचना मिली थी कि दो युवक पुलिसकर्मी बनकर वाहनों की जांच कर रहे हैं और लोगों से वसूली कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को पकड़ लिया।पकड़े जाने के बाद दोनों ने पुलिस को गुमराह

करने की कोशिश की। उन्होंने खुद को कोहेफिजा थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी बताया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उनकी कहानी झूठी निकली। आरोपियों की पहचान अमान खान और कार्तिक मिश्रा के रूप में हुई। पूछताछ में अमान खान ने बताया कि वह एमपी नगर स्थित एक आईटी कंपनी में एचआर के पद पर कार्यरत है। वहीं कार्तिक मिश्रा एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है। तलाशी लेने पर अमान की कमर से एक नकली पिस्टल भी बरामद हुई, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।घटना के दौरान मौजूद लोगों ने दोनों युवकों के वीडियो भी बनाए। वीडियो में कुछ लोग उनसे पूछते सुनाई देते हैं कि कौन से थाने से हो, आईडी कार्ड दिखाओ? वहीं कुछ लोग यह भी कहते हैं कि वे खुद बिना हेलमेट बाइक चला रहे हैं और दूसरों को हेलमेट के नाम पर रोक रहे हैं। वीडियो में मौजूद लोग दोनों युवकों से यह भी पूछते हैं कि उन्हें सड़क पर वाहन चेकिंग करने की अनुमति किसने दी है। इसी दौरान कुछ लोग पुलिस बुलाने की बात भी कहते हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सिविल ड्रेस में ही वाहन चालकों को रोकते थे। हेलमेट नहीं पहनने या अन्य यातायात नियमों का हवाला देकर पुलिस कार्रवाई का डर दिखाते और मौके पर ही रुपये मांगते थे।

मूंग खरीदी से लेकर सहकारी बैंकिंग तक मिशन मोड में हो काम : मंत्री श्री सारंग

खरीदी व्यवस्था, भंडारण, माइक्रो एटीएम, 'सहकारिता में सहकार' अभियान और जन-कल्याण योजनाओं की समीक्षा

भोपाल, (निप्र.)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में मूंग एवं उड़द खरीदी, सहकारी बैंकिंग व्यवस्था, मुख्यमंत्री जन-कल्याण योजना तथा 'सहकारिता में सहकार' अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन मिशन मोड में करते हुए किसानों और सहकारी संस्थाओं को अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि

मूंग एवं उड़द खरीदी के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीदी केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर उपलब्ध रहें तथा उड़द खरीदी के लिए पर्याप्त मात्रा में बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे खरीदी प्रक्रिया निर्बाध रूप से संचालित हो सके। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर गोदामों की कमी है अथवा उपलब्ध गोदाम पूर्ण क्षमता से भर चुके हैं, वहां वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए।

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास का पानी पीने लायक नहीं

भोपाल में गैस त्रासदी पीड़ित संगठनों ने 63 सैंपल लिए; इनमें से 43 में फीकल कोलीफॉर्म मिला

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल में यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी पीड़ितों के चार संगठनों ने शुक्रवार को शहर में सप्लाई किए जा रहे पेयजल को लेकर गंभीर आरोप लगाए। संगठनों का दावा है कि भोपाल नगर निगम कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के इलाकों में सीवेज से दूषित पानी की आपूर्ति कर रहा है, जिससे इंदौर के भागीरथपुरा जैसी स्थिति बनने का खतरा पैदा हो गया है।संगठनों ने प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल की जांच कराई, जिसकी रिपोर्ट भी सार्वजनिक की। रिपोर्ट के मुताबिक जांचे गए पानी के करीब 70 प्रतिशत नमूनों में फीकल कोलीफॉर्म (मल से जुड़े बैक्टीरिया) पाए गए। इससे संकेत मिलता है कि इन इलाकों में बड़ी मात्रा में मल से दूषित पानी लोगों तक पहुंच रहा है।

भोपाल गैस पीड़ित महिला-पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने बताया कि इस महीने 30 बस्तियों के नलों से 63 पानी के नमूने एकत्र किए गए थे। इनमें से 43 नमूनों में फीकल कोलीफॉर्म की पुष्टि हुई। उनके अनुसार, इसका मतलब है कि 30 में से 19 क्षेत्रों में लोगों को दूषित पेयजल मिल रहा है।उन्होंने बताया कि बड़ा तालाब (अपर लेक) से सप्लाई किए गए पानी के 90 प्रतिशत नमूने और कोलार डैम से सप्लाई किए गए पानी के 25 प्रतिशत नमूने भी जांच में दूषित पाए गए।संगठनों का आरोप है कि यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से सटे इलाकों के लोग लंबे समय से सीवेज से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। इसके कारण दस्त, उल्टी, टाइफाइड समेत जलजनित बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उनका कहना है कि कई परिवार एक साथ बीमार पड़ रहे हैं और निजी क्लीनिकों में टाइफाइड के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने बताया कि साल 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे से यहां का भूजल जहरीले रसायनों और भारी धातुओं से प्रदूषित हो चुका है।

ई-विकास प्रणाली के क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कृषि उत्पादक आयुक्त की अध्यक्षता में हुआ समिति का गठन

भोपाल, (निप्र.)। राज्य शासन द्वारा ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली के संबंध में विभिन्न किसान संगठनों से सुझाव प्राप्त करने तथा ई-विकास प्रणाली के क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाए जाने के उद्देश्य से कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है। समिति अध्ययन कर एक सप्ताह में अपनी अनशंसाएं देगी। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ, भोपाल, आयुक्त नर्मदापुरम संभाग, कलेक्टर, जिला नर्मदापुरम, कलेक्टर, जिला हरदा सदस्य होंगे। उप सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सदस्य-सचिव को नामित किया गया है।

भोपाल में अवैध दो मंजिला भवन पर चला बुलडोजर, बावड़ियाकलां के सुभालय विहार में निगम की कार्रवाई

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बावड़ियाकलां स्थित सुभालय विहार में शुक्रवार को नगर निगम ने अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मंजिला (जी+1) भवन के अवैध हिस्से को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान निगम का अमला और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।नगर निगम के अनुसार, गौरव गृह निर्माण सहकारी समिति के सुभालय परिसर स्थित मकान क्रमांक बी-93 पर यह कार्रवाई की गई। मूल भूखंड का क्षेत्रफल 1312 वर्गमीटर है, जबकि लगभग 900 वर्गमीटर क्षेत्र में जी+1 भवन का निर्माण कर लिया गया था। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) के स्वीकृत ले-आउट में यह भूखंड एकल भूखंड के रूप में दर्ज है, लेकिन नियमों का उल्लंघन कर निर्माण किया गया।

अनधिकृत प्लॉटिंग और विक्रय का मामला

जांच में सामने आया कि मूल भूखंड का अनधिकृत रूप से उपविभाजन कर सहकारी समिति के भूखंडों का अवैध विक्रय किया गया। इसके बाद स्वीकृत ले-आउट के विपरीत निर्माण कराया गया। इसी आधार पर नगर निगम ने नियमानुसार जी+1 भवन के अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की।

नियमों का पालन करने की अपील

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी भूखंड या संपत्ति की खरीद-फरोख्त अथवा निर्माण कार्य से पहले स्वीकृत ले-आउट, भवन अनुज्ञा और संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमतियों का सत्यापन अवश्य करें। निगम ने चेतावनी दी है कि अवैध प्लॉटिंग और नियमों के विपरीत निर्माण करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ के थांदला में स्व सहायता समूहों को ऋण वितरण और संवाद कार्यक्रम में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

लोकायुक्त की कार्रवाईः 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते स्वास्थ्य विभाग का एमपीडब्ल्यू गिरफ्तार

टीकमगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग के बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीडब्ल्यू) देशराज घोष को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी पर नौकरी दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है।लोकायुक्त के अनुसार, देशराज घोष ने डूंडा निवासी नरेंद्र राजपूत से स्वास्थ्य विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर एक लाख रुपये की मांग की थी। बाद में दोनों के बीच 50 हजार रुपये में सहमति बनी। पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपये लेते समय लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।लोकायुक्त डीएसपी कमल सिंह उइके ने बताया कि शिकायत के सत्यापन के बाद ट्रैप कार्रवाई की गई, जिसमें आरोपी रिश्वत की राशि स्वीकार करते हुए पकड़ा गया। उसके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।शिकायतकर्ता नरेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि देशराज घोष ने इससे पहले उसके परिवार की एक महिला को सहायिका की नौकरी दिलाने का भरोसा देकर पांच लाख रुपये भी लिए थे। आरोप है कि नौकरी नहीं लगने पर जब उसने रकम वापस मांगी तो आरोपी ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया और स्वास्थ्य विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी दिलाने का नया आश्वासन देते हुए अतिरिक्त रकम की मांग की।शिकायतकर्ता का यह भी दावा है कि पहले दिए गए रुपयों के लेनदेन से संबंधित उसके पास वीडियो भी मौजूद है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।लोकायुक्त पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और पीएम आवासों का किया निरीक्षण

ग्वालियर (ए.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के ग्रामीण अंचल में संचालित शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने शुक्रवार को जनपद पंचायत घाटीगांव के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान रावत ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र सिमरिया टांका पहुंचकर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल सिमरिया टांका, शासकीय माध्यमिक विद्यालय जखा, शासकीय माध्यमिक विद्यालय इमलिया तथा ठाठी के शासकीय प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने स्कूली बच्चों से संवाद कर पढ़ाई से जुड़ी जानकारी भी प्राप्त की। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्राम जखा एवं जनजाति बहुल ग्राम इमलिया टोला में निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों का निरीक्षण भी उन्होंने किया। इस दौरान हितग्राहियों से चर्चा कर योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली तथा अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान सिमरिया टांका ग्राम पंचायत से जुड़े ठाठी मार्ग का भी अवलोकन किया गया। ग्रामीणों की आवश्यकता को देखते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सड़क निर्माण के लिए शीघ्र एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश सहायक यंत्री को दिए, ताकि प्रस्तावित कार्य को आगे बढ़ाया जा सके।

प्रधानमंत्री श्री मोदी 2 अगस्त को युवाओं से करेंगे वर्चुअल संवाद

युवाओं को नशे के विरुद्ध किया जाएगा जागरूक

बैतूल (ए.)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत "माय भारत" द्वारा "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान" का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत आगामी 2 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के युवाओं को वर्चुअली संबोधित करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक एवं संगठित करना तथा नशा मुक्त भारत और विकसित भारत@2047 के संकल्प में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। जिला युवा अधिकारी श्रीमती सुषमा गवली ने बताया कि देशभर में लगभग 10 हजार स्थानों पर युवाओं को वर्चुअल रूप से जोड़ा जाएगा। इसी क्रम में माय भारत, बैतूल द्वारा जिले में 50 से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें माय भारत वॉलंटियर्स, एनएसएस स्वयंसेवक, युवा क्लबों, स्कूल कॉलेजों, आध्यात्मिक संगठनों एवं अन्य युवा संगठनों की सहभागिता रहेगी। इस कार्यक्रम के दौरान वॉकथॉन, खेल एवं फिटनेस गतिविधियां, ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता रैलियां, नुक्कड़ नाटक तथा सिग्नेचर कैंपेन जैसी गतिविधियों के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रतिभागी सामूहिक रूप से "नशा मुक्ति शपथ" लेंगे और स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अन्य युवाओं को भी नशे के विरुद्ध प्रेरित करने का संकल्प करेंगे।

उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप आईटीआई में शुरू किये जाएं नये ट्रेड्स

प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर दिया जाये विशेष ध्यान - कलेक्टर श्री सिंह जिला कौशल समिति की बैठक संपन्न

जबलपुर (ए.)। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिले में स्थित सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा उद्योगों की वर्तमान आवश्यकताओं के नये ट्रेड्स संचालित करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर श्री सिंह कल कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई जिला कौशल विकास समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ब्लॉक स्तरीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में भी सभी जरूरी संसाधनों, उपकरणों, टूल्स एवं मशीनरी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की हिदायत अधिकारियों को दी। जिला कौशल समिति की बैठक में जिले के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में संचालित ट्रेड्स, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, रोज़गार के अवसर, उद्योगों का सहयोग, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना एवं नवाचार आदि बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी निर्देशक अनिल राठौर, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ से हिमांशु खरे, आईएमसी चेयरमैन मनीष पटेल, लघु उद्योग भारती से गौरव अग्रवाल, संयुक्त संचालक कौशल विकास डॉ अर्पित शुक्ला, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बृजेश मिश्रा, प्राचार्य आईटीआई अमित आठ्या एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने उद्योग प्रतिनिधियों की मांग पर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा जिला रोजगार कार्यालय के साथ मिलकर स्थानीय उद्योगों में अधिक से अधिक संख्या में आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने प्लेसमेंट ड्राइव और रोजगार मेला आयोजित करने

निर्देशित किया। बैठक में बताया कि आईटीआई में इसी सत्र से ईवी टेक्नीशियन एवं सोलर टेक्नीशियन का ट्रेड प्रारंभ किया जा रहा है।

युवाओं को ड्रोन पॉयलेट की ट्रेनिंग देने के निर्देश :

कलेक्टर श्री सिंह ने कृषि एवं राजस्व विभाग की जरूरतों को देखते हुये जिले के कम से कम 30 युवाओं को ड्रोन पॉयलेट की ट्रेनिंग देने के निर्देश आईटीआई संस्थानों को दिये। उन्होंने ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग के लिए उचित प्रक्रिया अपनाकर युवाओं का चयन करने की हिदायत अधिकारियों को दी। बैठक में मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना पर चर्चा करते हुये कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि इस योजना से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जुड़ने प्रोत्साहित किया जाये, ताकि वे वर्तमान औद्योगिक परिवेश को जान सकें और उसके अनुरूप अपने कौशल में निखार ला सकें।

व्यापार समाचार

भारतीय शेयर बाजार मजबूत वैश्विक संकेतों से हरे निशान में खुला, डिफेंस और मैन्युफैक्चरिंग में खरीदारी

मुंबई (आरएनएस)। मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में खुला। इस दौरान सेंसेक्स 70 अंक या 0.09 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 77,998 और निफ्टी 44 अंक या 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,361 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार को सपोर्ट डिफेंस और मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टर्स से मिल रहा था। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग करीब एक प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कमोडिटी और निफ्टी एनर्जी भी हरे निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी, निफ्टी एफएफसीजी, निफ्टी सर्विसेज और निफ्टी ऑयल एंड गैस लाल निशान में थे।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बीईएल, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, इंडिगो, टाटा स्टील, एसबीआई, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट टॉप गेनर्स थे। टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी और एचयूएल टॉप लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 210 अंक या 0.34 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,867 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 109 अंक या 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,364 पर था।

भारत में एप्पल ने फिर तोड़ा रिकॉर्ड, तिमाही में सबसे ज्यादा कमाई : टिम कुक

नई दिल्ली (आरएनएस) ,। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा कि कंपनी ने भारत समेत हर भौगोलिक क्षेत्र में जून-क्वार्टर के रेवेन्यू रिकॉर्ड बनाए। ये नतीजे सप्लाई चेन में बहुत बड़ी रुकावटों और विदेशी मुद्रा से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद आए। एप्पल कंपनी ने 109.4 बिलियन डॉलर का तिमाही रेवेन्यू दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 16 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी का ग्रॉस मार्जिन 50.1 प्रतिशत रहा, जिसमें टैरिफ रिफंड से लगभग 2 प्रतिशत अंक का फायदा शामिल है।प्रति शेयर डाइल्यूटेड अर्निंग 2.02 डॉलर रही, जो पिछले साल के मुकाबले 29 प्रतिशत ज्यादा है। इसमें टैरिफ रिफंड से 0.11 डॉलर का फायदा भी शामिल है।

टिम कुक ने कहा, हमने हर भौगोलिक क्षेत्र में जून-क्वार्टर के रेवेन्यू रिकॉर्ड बनाए। हमें अमेरिका, लैटिन अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, भारत, चीन, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया में जून-क्वार्टर के रिकॉर्ड के साथ हर जगह मजबूती देखकर खुशी हुई।

दुनिया भर में मैक का रेवेन्यू 10.4 बिलियन डॉलर रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 29 प्रतिशत ज्यादा है। यह जून-क्वार्टर का नया रिकॉर्ड है, जिसकी वजह मैकबुक नियो और मैकबुक प्रो की मजबूत बिक्री रही।

एप्पल ने भारत में एक और रिकॉर्ड रेवेन्यू वाला क्वार्टर दर्ज किया, जिसमें मैक का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा। इसकी वजह मैकबुक नियो को जबरदस्त बढ़ोतरी और आईफोन 17 सीरीज की लगातार मजबूत मांग थी, जबकि देश में आईफोन की सप्लाई सीमित रही।

एप्पल के सीएफओ केवन पारेख ने कहा, जैसा कि टिम ने बताया, इस बार मैक का सबसे शानदार तिमाही रहा। दुनिया भर में बहुत सारे नए लोगों ने मैक खरीदा और पुराने यूजर्स ने भी अपग्रेड किया। इसमें अमेरिका, चीन और भारत के ग्राहक भी शामिल हैं। इंडस्ट्री के जानकारों के अनुसार, एप्पल ने कीमतें ज्यादातर स्थिर रखी हैं, जो मेमोरी की बढ़ती लागत को संभालने की उसकी क्षमता को दिखाता है।

बिना इथेनॉल के इतने रुपए लीटर बिकता पेट्रोल, संसद में सरकार ने E20 फ्यूल से जुड़े हर सवाल का दिया जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस) ,। पेट्रोल पंप पर गाड़ी की टंकी फुल कराते समय क्या आपने कभी सोचा है कि अगर पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट न हो, तो आपको इसके लिए कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है? ग्लोबल मार्केट में मचे हाहाकार और कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों के बीच सरकार ने संसद में पेट्रोल की असली कीमत का पूरा गणित खोलकर रख दिया है। सरकार ने साफ किया है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग नीति ने कैसे एक मजबूत 'ढाल' की तरह काम करते हुए आम जनता को महंगे पेट्रोल की मार से बचाया है और साथ ही तेल आयात पर देश की निर्भरता को भी काफी हद तक कम किया है।

125 रुपये तक पहुंच सकता था पेट्रोल का दाम

लोकसभा में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने एक लिखित जवाब में चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि जब मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें 135 डॉलर प्रति बैरल के भारी-भरकम स्तर पर पहुंच गई थीं, तब भारत में बिना इथेनॉल वाले पेट्रोल की कीमत 125 रुपये प्रति लीटर के पार जा सकती थी। लेकिन, सरकार की दूरदर्शी इथेनॉल ब्लेंडिंग नीति, कच्चे तेल की पर्याप्त उपलब्धता और तेल कंपनियों की शानदार खरीद

रणनीति के चलते देशवासियों को पेट्रोल 94.77 रुपये प्रति लीटर की दर से उपलब्ध कराया जा सका।

E20 पेट्रोल से इंजन खराब होने का डर एकदम बेबुनियाद

वाहन चालकों के बीच अक्सर यह भ्रम रहता है कि इथेनॉल मिला हुआ (E20) पेट्रोल पुरानी या नई गाड़ियों के इंजन को बर्बाद कर देता है। सरकार ने संसद में इस दावे को पूरी तरह से सिरे से खारिज कर दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि श्20 पेट्रोल को देश भर में लागू करने से पहले ARAI, SIAM, इंडियन ऑयल और तमाम बड़ी वाहन निर्माता कंपनियों के साथ मिलकर इसके बेहद सख्त और व्यापक परीक्षण किए गए थे। इन गहन टेस्ट में गाड़ियों की परफॉर्मेंस, इंजन की क्षमता या किसी भी पुर्जे (पार्ट्स) पर कोई भी बड़ा नकारात्मक प्रभाव देखने को नहीं मिला है।

करोड़ों गाड़ियां बेधड़क भर रही हैं फर्राटा

आंकड़ों के जरिए स्थिति को और साफ करते हुए सरकार ने बताया कि भारत में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल कोई रातों-रात शुरू हुई नई बात नहीं है, बल्कि पिछले कई सालों से यह सफलतापूर्वक चल रहा है। आज की तारीख में देश की सड़कों पर 20 करोड़ से ज्यादा दोपहिया वाहन और 3 करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें इसी इथेनॉल मिश्रित ईंधन के सहारे बेधड़क फर्राटा भर रही हैं। इतने विशाल स्तर पर इस्तेमाल के बावजूद अभी तक कहीं से भी इंजन में जंग लगने, उसके खराब होने या पार्ट्स के जल्दी घिसने जैसी कोई भी व्यापक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, जो इस फ्यूल की शानदार गुणवत्ता को साबित करता है।

सोना और चांदी गिरावट के साथ खुले, आधा प्रतिशत से अधिक लुढ़के दाम

मुंबई (आरएनएस) । सोने और चांदी शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत तक फिसल गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने

का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,43,232 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,929 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। फिलहाल 9:50 पर यह 0.58 प्रतिशत या 832 रुपए की कमजोरी के साथ 1,42,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,42,253 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,42,929 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। सोने के साथ चांदी में भी कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,19,967 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,18,769 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 1,057 रुपए या 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,18,910 रुपए प्रति किलो पर था।अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,18,538 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,967 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। सोना 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,076 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58 डॉलर प्रति औंस पर था। जानकारों ने कहा कि फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने के बाद सोने की ट्रेडिंग एक सीमित दायरे में हो रही है।

बैंक की इस सीक्रेट सर्विस से बिना कुछ किए खाते में मिलेगा 3 गुना ब्याज, तुरंत जानें तरीका

नई दिल्ली (आरएनएस) । जब भी आप किसी बैंक में अपना सेविंग अकाउंट खुलवाते हैं, तो बैंक कर्मचारी आपको एटीएम, डेबिट कार्ड और खाते पर मिलने वाले साधारण ब्याज की जानकारी देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बैंकों की एक ऐसी खास और सीक्रेट सर्विस भी है जो आपके सेविंग अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज को सीधा तीन गुना तक बढ़ा सकती है। इस सर्विस के जरिए आपको अपने साधारण बचत खाते पर भी फिक्स्ड डिपॉजिट जितना शानदार ब्याज मिल सकता है। हैरानी की बात यह है कि बैंक में खाता खुलवाने वाले हर ग्राहक को मिलने वाली

इस धांसू सुविधा के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी होती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए आपको केवल बैंक जाकर इसे इनेबल करने के लिए कहना होता है।हम जिस खास सुविधा की बात कर रहे हैं, उसे बैंकिंग की भाषा में 'बैंक ऑटो स्वीप सर्विस' कहा जाता है। यह एक ऐसी कमाल की फैसिलिटी है जो ग्राहकों को उनके सरप्लस फंड पर अधिकतम ब्याज दिलाने में मदद करती है। इस सर्विस को अपने खाते में इनेबल कराने के बाद, अगर आपके सेविंग अकाउंट में जमा राशि एक तय लिमिट से ज्यादा हो जाती है, तो वह अतिरिक्त पैसा ऑटोमैटिक तरीके से एफडी में ट्रांसफर हो जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि उस ट्रांसफर हुए अतिरिक्त पैसे पर आपको साधारण बचत खाते के बजाय बैंक एफडी के हिसाब से तगड़ा ब्याज मिलने लगता है।इस सर्विस का गणित बेहद आसान है और यह पूरी तरह से ऑटोमैटिक काम करती है। इसे एक उदाहरण से समझें, मान लीजिए कि आपने अपने बैंक में जाकर सेविंग अकाउंट में 20,000 रुपये की ऑटो स्वीप लिमिट सेट करवा दी और किसी दिन आपने खाते में 80,000 रुपये जमा कर दिए। ऐसे में ऑटो स्वीप सर्विस तुरंत एक्टिव हो जाएगी और लिमिट से ऊपर का 60,000 रुपये का अमाउंट अपने आप एफडी में कन्वर्ट हो जाएगा। अब आपको इस 60,000 रुपये पर एफडी के हिसाब से ज्यादा ब्याज मिलेगा, जबकि बाकी बचे 20,000 रुपये पर सेविंग अकाउंट का सामान्य ब्याज मिलता रहेगा। इसके लिए आपको खुद से एफडी कराने के झंझट में नहीं पड़ना होता है।आमतौर पर बैंक सेविंग अकाउंट में जमा पैसों पर औसतन 2.5 फीसदी के आसपास ब्याज देते हैं, जबकि फिक्स्ड डिपॉजिट पर यह ब्याज दर 6.5 से 7 फीसदी तक होती है। ऑटो स्वीप सर्विस शुरू होते ही आपको अपने बचत खाते पर लगभग तीन गुना ज्यादा रिटर्न मिलने लगता है, जिससे आपकी नियमित बचत में तेजी से इजाफा होता है। इस सुविधा की सबसे खास बात यह है कि आपको ब्याज तो एफडी का मिलता है, लेकिन आप अपने खाते को बिल्कुल सेविंग अकाउंट की तरह ही इस्तेमाल कर सकते हैं। यानी जरूरत पड़ने पर आप एफडी में कन्वर्ट हुए पैसे को मैच्योरिटी पीरियड से पहले कभी भी निकाल सकते हैं, जो कि सामान्य एफडी में मुमकिन नहीं होता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

आय में सुस्ती

आम जन का जीवन स्तर गतिरुद्ध हो, शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी नज़र ना आ रही हो, और बेरोजगारी से निपटने के उपाय दिखावटी बन गए हों, तो कैसी सामाजिक शांति की आशा की जा सकती है?

विभिन्न जन समूहों में असंतोष क्यों फैल रहा है, सरकार चाहे तो इसे खुद अपने आंकड़ों से समझ सकती है। खुद उसकी नीतियों ने युवा वर्ग में भविष्य के प्रति निराशा भरी है, तो बहुसंख्यक ग्रामीण आबादी की जिंदगी को दूभर बनाया है। कुछ बानगियों पर गौर कीजिए। 2024 में युवा बेरोजगारी दूर करने के लिए धूम-धड़ाके से शुरू की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना अपने लक्ष्य से 99 प्रतिशत पीछे चल रही है। कॉरपोरेट मंत्रालय ने एक आरटीआई अर्जी पर बताया कि 30 अप्रैल 2026 तक कंपनियों ने 2.97 लाख इंटर्नशिप अवसर पैदा किए, जो दो साल के लक्ष्य का लगभग दसवां हिस्सा है। तस्वीर और निराशाजनक हो जाती है, जब ध्यान जाता है कि वास्तविक ऑफर 1.73 लाख ही रह गए।

इनमें से जिन लोगों को ऑफ़र दिए गए, उनमें से लगभग 18,000 लोग ही काम पर पहुंचे। उनमें से केवल 5,200 लोग अंत तक टिके पाए। इस बीच ये आंकड़ा भी चर्चित हुआ है कि केंद्रीय बजट में शिक्षा मंत्रालय के लिए आवंटन 2013-14 (4.6 फीसदी) की तुलना में 2025-26 में आधा (2.5 प्रतिशत) रह गया है। इसी बीच राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की एक ताजा रिपोर्ट से सामने आया है कि सिर्फ 27.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों की आय में पिछले वर्ष वृद्धि दर्ज हुई। यह सितंबर 2024 से शुरू हुए इस सर्वे का सबसे निचला स्तर है। इसके मुताबिक 52.6 फीसदी परिवारों की आय में कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि 19.8 प्रतिशत परिवारों की आय गिरी।

यानी 72 फीसदी परिवारों के जीवन स्तर में सुधार दर्ज नहीं हुआ। आय में सुस्ती और वित्तीय दबाव के कारण अनौपचारिक माध्यमों (जैसे रिश्तेदारों, दोस्तों, या स्थानीय साहूकारों) से कर्ज लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे परिवारों की संख्या 23.6 प्रतिशत हो गई है। जब इस तरह लोगों का जीवन स्तर गतिरुद्ध हो, जमीनी स्तर पर अपनी जर्जर स्थिति के कारण शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी अब नज़र ना आ रही हो, और विकराल बेरोजगारी से निपटने के उपाय दिखावटी बन कर रह जाएं, तो समाज में कैसी स्थिरता और शांति की आशा की जा सकती है?

सचमुच नई पीढ़ी का आंदोलन

हरिशंकर व्यास

नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर का आंदोलन सचमुच नई पीढ़ी का आंदोलन थे। सिर्फ इस लिहाज से नहीं कि नई पीढ़ी के लोग इसमें शामिल हुए। वह एक पहलू है कि वयस्क होने से पहले की उम्र वाले किशोर और युवा इस आंदोलन का हिस्सा बने। इस लिहाज से भी यह नई पीढ़ी का आंदोलन था कि इसमें नए साधनों और नए माध्यमों का खुल कर इस्तेमाल हुआ। छात्र और युवा सोशल मीडिया के जरिए अपना नैरेटिव बना रहे हैं। उनकी रचनात्मकता देखना वाली है। वे पारंपरिक मीडिया या पुराने व स्थापित सोशल मीडिया हैंडल्स के भरोसे नहीं हैं। वे अपना कंटेंट तैयार कर रहे हैं और उसे प्रचारित कर रहे हैं।तभी उनके ऊपर इस बात का असर नहीं पड़ा कि मीडिया या सोशल मीडिया इसको कैसे दिखाता है और सरकार किस तरह से इसकी साख बिगाड़ने का प्रयास करती है। वह प्रयास होता रहा लेकिन उस पर भारी युवाओं का अपना कंटेंट था। उन्होंने बहुत प्रभावी तरीके से सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया।इसी तरह ऐप बेस्ड सेवाओं का इस्तेमाल जैसा इस आंदोलन में हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वैसे भी नए समय का पहला बड़ा आंदोलन है। तभी कई दिन तक नई दिल्ली के आसपास के सारे मेट्रो स्टेशन बंद रहने पर भी छात्रों को परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सबके रास्ते निकाले। ऐप बेस्ड कैब सेवाएं हों या ऐप बेस्ड फूड डिलीवरी की सेवा हो, जंतर मंतर पर सबका इस्तेमाल हुआ।इसी तरह आंदोलनकारी अपने नारों और कंटेंट में भी बहुत अलग हैं। वे पुराने नारों से अपनी लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। बहुत लोगों को बुरा लगा है और वे पुराने जमाने के नारे लिख कर बता रहे हैं कि पहले कितना सारगर्भित और साफ सुथरा नारा हुआ करता था। यह भी कहा जा रहा है कि युवाओं के नारे अश्लील हैं और इससे उनका आंदोलन प्रभावित हो रहा है। लेकिन इस तरह की बातों से युवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है। वे बिना किसी शर्मिंदगी या बिना किसी माफीनामे के अपनी बात कह रहे हैं। पहली बार सरकार और भाजपा के पूरे इकोसिस्टम को लगा कि छात्रों व युवाओं के जिस समूह के साथ प्रधानमंत्री परीक्षा पर चर्चा करते थे या जिनके लिए एग्जाम वारियर्स नाम से किताब लिखी है वे नाराज होते हैं तो क्या कर सकते हैं? अब तक सरकार ने उनका सद्भाव देखा था लेकिन अब उन्होंने नाराजगी दिखाई है। सद्भाव और समर्थन दिखाने का उनका तरीका भी वैसा था, जैसे विरोध दिखाने का है।

राष्ट्र का वह ऋषि, जिसने विचारों को तिरंगे में बदल दिया

पिंगली वेंकैया — कल्पित समुदाय को मूर्त रूप देने वाले सपनों का शिल्पकार

कृति आरके जैन

राष्ट्र केवल सीमाओं, शासन या संविधान से नहीं बनते; वे उन प्रतीकों से गढ़े जाते हैं जिनमें करोड़ों लोगों की साझा स्मृतियाँ, आकांक्षाएँ और विश्वास बसते हैं। इतिहासकारों के अनुसार राष्ट्र की आत्मा उसके साझा प्रतीकों में झलकती है। इतिहासकार बेनेडिक्ट एंडरसन ने राष्ट्र को कल्पित समुदाय कहा—ऐसा समुदाय, जिसके अधिकांश लोग कभी एक-दूसरे से नहीं मिलते, फिर भी एक परिवार का हिस्सा मानते हैं। इस अदृश्य भाव को मूर्त रूप राष्ट्रीय ध्वज देता है। भारत को यह पहचान तिरंगे ने दी, किंतु उसे आकार देने वाले पिंगली वेंकैया लंबे समय तक राष्ट्रीय स्मृति के हाशिए पर रहे। 2 अगस्त केवल उनकी जयंती नहीं, बल्कि उस मनीषा को स्मरण करने का अवसर है जिसने भारत की राष्ट्रीय चेतना को तिरंगे में साकार किया। पिंगली वेंकैया का जीवन सिद्ध करता है कि असाधारण योगदान सत्ता के केंद्रों से नहीं, जिज्ञासा और समर्पण से जन्म लेते हैं। 2 अगस्त 1876 को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के निकट भटलापेनुमरु में जन्मे वेंकैया भाषाओं के अध्येता, भूविज्ञान के विद्यार्थी और कृषि विज्ञान के शोधकर्ता थे। युवावस्था में ब्रिटिश भारतीय सेना के साथ वे दक्षिण अफ्रीका पहुँचे, जहाँ महात्मा गांधी से हुई भेंट ने उनके चिंतन को नई दिशा दी। उन्होंने समझा कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि ऐसे राष्ट्रीय प्रतीकों पर भी टिकी है, जिनमें पूरा राष्ट्र स्वयं को पहचान सके। यही उनका जीवन-ध्येय बना। उन्होंने व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक उस राष्ट्रीय पहचान को महत्व दिया, जो पीढ़ियों को एक सूत्र में बाँध सके। वेंकैया की सबसे बड़ी विशेषता थी कि उन्होंने ध्वज का निर्माण भावनाओं से नहीं, गहन अध्ययन से किया। दो दशकों तक उन्होंने अनेक देशों के ध्वजों का तुलनात्मक अध्ययन कर समझा कि रंग, आकार और प्रतीक राष्ट्रीय चरित्र के वाहक कैसे बनते हैं। 1916 में प्रकाशित ए नेशनल फ्लैग फ़ॉर इंडिया उनके इसी शोध का दस्तावेज़ थी। यह केवल ध्वज का प्रारूप नहीं, भारतीय ध्वज की वैचारिक रूपरेखा थी। प्रारंभ में

लाल और हरे रंग सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। महात्मा गांधी के सुझाव पर सफेद रंग और चरखा जुड़े, जिससे सत्य, शांति, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता तिरंगे के मूल मूल्य बने। यही सिद्ध करता है कि राष्ट्रीय प्रतीक किसी एक व्यक्ति की कल्पना नहीं, सामूहिक मंथन और समय की आवश्यकताओं से आकार लेते हैं।1921 में विजयवाड़ा में हुए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अधिवेशन में वेंकैया ने अपना ध्वज-प्रारूप गांधीजी के सामने प्रस्तुत किया। वह कपड़े का टुकड़ा नहीं, स्वतंत्र भारत की भावी पहचान था। बाद में चरखे के स्थान पर सम्राट अशोक के सारनाथ स्तंभ से प्रेरित धर्मचक्र अपनाया गया। 24 तीलियों वाला धर्मचक्र गति, न्याय, कर्तव्य, संतुलन और निरंतर प्रगति की भारतीय जीवन-दृष्टि का प्रतीक है। 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने संशोधित तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया। उस दिन केवल ध्वज नहीं, भारत की बहुलता, लोकतांत्रिक चेतना और सांस्कृतिक निरंतरता भी स्वीकृत हुई। तभी से तिरंगा केवल स्वतंत्रता का प्रतीक नहीं, भारतीय सभ्यता के आत्मविश्वास का उद्घोष बन गया।15 अगस्त 1947 को जब तिरंगा स्वतंत्र भारत के आकाश में लहराया, तब करोड़ों लोगों ने उसमें अपनी आशाओं का भविष्य देखा। किंतु उस क्षण के पीछे खड़े पिंगली वेंकैया का जीवन किसी विजेता का नहीं, कर्मयोगी का रहा। यह विडंबना केवल भारत की नहीं। इतिहासकार एरिक हॉब्सबॉम ने लिखा है कि राष्ट्र अपने प्रतीकों को सहेज लेते हैं, पर उन्हें गढ़ने वाले व्यक्तित्व स्मृति से ओझल हो जाते हैं। वेंकैया भी इसी विडंबना के शिकार बने। अंतिम वर्षों में उन्हें सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और राष्ट्रीय पहचान नहीं मिली, जिसके वे अधिकारी थे। 1963 में उनका निधन हुआ, किंतु बाद में देश ने जाना कि तिरंगे के पीछे एक ऐसा साधक था, जिसने अपना सर्वस्व भारत को समर्पित किया, बदले में कुछ नहीं माँगा।किसी भी राष्ट्र की परिपक्वता का माप उसके स्मारकों या उत्सवों से नहीं, बल्कि गुमनाम निर्माताओं की स्मृति से होता है। हम ध्वज को सलामी देते हैं, राष्ट्रगान पर खड़े होते हैं और राष्ट्रीय पर्व मनाते हैं, किंतु इन प्रतीकों के सर्जकों को कम जानते हैं। यह विस्मृति केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं, इतिहास-बोध का अभाव है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक विमर्श में पिंगली वेंकैया को तथ्य नहीं, प्रेरणा के रूप में स्थान मिलना चाहिए। जब युवा जानेंगे कि एक बहुभाषी, शोधप्रिय और वैज्ञानिक दृष्टि संपन्न भारतीय ने दीर्घ अध्ययन के बाद तिरंगे की परिकल्पना की, तब वे समझेंगे कि राष्ट्र निर्माण केवल रणभूमि में नहीं, विचार, शोध और सृजन में भी होता है।तिरंगे की सबसे बड़ी शक्ति उसके रंगों में नहीं, बल्कि उनसे जुड़े मूल्यों में है। केसरिया त्याग और निर्भीकता, श्वेत सत्य, संतुलन और पारदर्शिता, हरा जीवन, विश्वास और समृद्धि का प्रतीक है; जबकि अशोक चक्र बताता है कि ठहराव किसी सभ्यता का स्वभाव नहीं हो सकता। भारतीय दर्शन में धम्मचक्र केवल गति नहीं, बल्कि न्याय, कर्तव्य और मानवीय मूल्यों से संचालित नैतिक गति का प्रतीक है। इसलिए तिरंगे का सम्मान केवल उसे फहराने में नहीं, बल्कि उन आदर्शों को जीवन और सार्वजनिक आचरण में उतारने में है, जिनका वह मौन संदेश देता है।

डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीट पेपर लीक को लेकर जेन-जी को संबोधित करते हुए जो पहला सेल्फी वीडियो अपलोड किया था, उसे मेटा ने हटा दिया था। यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया था। बाद में जब इस पर हंगामा हुआ, तब कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि वीडियो को जानबूझकर नहीं हटाया गया बल्कि यह एक तकनीकी खामी थी। इतनी बड़ी कंपनी का तकनीकी खामी का तर्क आसानी से गले नहीं उतरता। समर्थकों का आरोप है कि यह एक सोची-समझी साजिश है ताकि सरकार की बात करोड़ों युवाओं तक पहुंचने से रोका जा सके। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की नीतियों, कंटेंट मॉडरेशन और डिजिटल जवाबदेही को लेकर नई बहस का विषय बन गया है।वास्तव में, मेटा द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो सेंसर करना भारतीय लोकतंत्र और डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप है। यह कोई सामान्य कंटेंट मॉडरेशन नहीं है बल्कि एक विदेशी प्लेटफॉर्म द्वारा यह तय करने की तानाशाही कोशिश है कि भारतीय नागरिक क्या देख सकते हैं। अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनियां दुनियाभर में नैरेटिव तय करके सरकारें बदलने का खेल खेलती रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट पर रोक लगाना इस बात का प्रमाण है कि उपभोक्ता जो देख रहे हैं, वह कंपनियां तय करती हैं। सोशल मीडिया ने आम आदमी को बहुत बड़ी ताकत दी है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के जरिए लोग बिना किसी रोक-टोक अपनी बात तुरंत लाखों लोगों तक पहुंचाते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से संगठित रूप से निगेटिव चीज़ों को प्रचारित करने का प्रयास हो रहा है। सोशल मीडिया ने कई देशों में सरकारों के खिलाफ जन-आंदोलनों को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई है। अरब क्रांति, श्रीलंका और बांग्लादेश के हालिया उदाहरण इसके बड़े प्रमाण हैं, जहां डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जनता को एकजुट किया। पिछले एक दशक में देश में विपक्ष और विभिन्न संगठनों द्वारा जितने भी आंदोलन हुए हैं, उनमें निगेटिव, फर्जी और भड़काऊ सामग्री प्रचारित-प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का जमकर प्रयोग हुआ। हालिया कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में सोशल मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर बनी एक पार्टी के रातोंरात करोड़ों फॉलोअर बन गए। इसके आंदोलन के दौरान सुनियोजित सोशल मीडिया कैंपेन चलाए गए। जनता के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए सीजेपी ने उस वामपंथी सोशल मीडिया तंत्र की शरण ली है जो लंबे समय से राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने के मिशन में जुटा है।भारत में सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को बिगाड़ने के प्रयास पिछले एक दशक से जारी हैं। फेक न्यूज़, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जनित डीपफेक

और सीमा पार से संचालित होने वाले फर्जी अकाउंट्स के जरिए सुनियोजित ढंग से भ्रम और तनाव पैदा किया जा रहा है। सीएए विरोध प्रदर्शन और किसान आंदोलन दोनों ही प्रमुख घटनाओं के दौरान सोशल मीडिया के दुरुपयोग के कई गंभीर मामले सामने आए थे। इन आंदोलनों के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल न केवल सूचना साझा करने के लिए हुआ बल्कि इसके जरिए भारी मात्रा में भ्रामक जानकारियां, अफवाह और नफरत फैलाने वाले कंटेंट प्रसारित किए गए। ये खुला तथ्य है कि वामपंथी और लिबरल इकोसिस्टम ने इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने और अपनी सहूलियत का नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया, जिसके जवाब में भारत सरकार ने समय-समय पर राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के तहत कड़े कदम उठाए।सोशल मीडिया खासकर इंस्टाग्राम पर कॉक्रोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और सोनम वांगचुक को उसके समर्थन के लिए जो ज्वार अचानक उठा था, अब उस विद्रूप और उच्छृंखल सुनामी लहरों का थमना शुरू हो गया है। इंस्टाग्राम पर उनके लिए समर्थन पूरी तरह से फर्जी और प्रायोजित था। इसके लिए तीन प्रोफ़ेशनल एजेंसियों ने पैसे देकर वृहद स्तर पर प्रचार अभियान चलाया। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु की तीन एजेंसियों ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को पैसे देकर पूरा नैरेटिव सेट करने की कोशिश की। भारत को श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की तरह जलाने की पूरी तैयारी थी। प्रदर्शन जारी रखने के लिए विभिन्न देशों से खाने-पीने और अन्य आर्थिक मदद दी जा रही थी। इस सुनियोजित षडयंत्र से जुड़ी तमाम रपट और जानकारियां पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हैं। चूंकि इस षड्यंत्र का जाल सामने आ गया है, जिसका सार्वजनिक पर्दाफाश होना बहुत जरूरी है। यह खेल आगे न हो इसलिए सरकार और प्रशासन को चाहिए कि इन मामलों की गहराई से जांच करे और यह पता लगाये कि आखिर कौन-सी ताकतें इस अभियान में मोटी फंडिंग कर भारत में माहौल खराब करने की कोशिश कर रही हैं? चीन में फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पूरी तरह ब्लॉक हैं। उत्तर कोरिया में सोशल मीडिया पर पूरी तरह बैन है। आमलोग सिर्फ क्वांगमयोंग नाम के सरकारी इंट्रानेट तक सीमित रहते हैं। ईरान में फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब ब्लॉक हैं। ब्राजील ने एक्स को अस्थायी तौर पर बैन किया है। मिस्र, सऊदी अरब और सीरिया जैसे कई देशों में राजनीतिक कारणों से सोशल मीडिया पर कड़ी पाबंदियां हैं। इसके पीछे की वजह सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करना, फेक न्यूज को रोकना है।असल में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जुड़ाव-संचालित एल्गोरिदम को प्राथमिकता देते हैं, तथ्यात्मक जानकारी की तुलना में सनसनीखेज और भ्रामक सामग्री को बढ़ाते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि फर्जी खबरें सच्ची खबरों की तुलना में छह गुना तेज़ी से फैलती हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्त्ता अक्सर ऐसी सामग्री से जुड़ते हैं जो उनकी पूर्व-मौजूदा मान्यताओं के अनुरूप होती है, जिससे गलत सूचना को बल मिलता है। प्रधानमंत्री मोदी हर आयुवर्ग खासकर युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता और सीधे कनेक्ट करने की शैली अक्सर विपक्षी दलों को खटकती है। लोकप्रियता के प्रमाण के तौर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी ने दो वीडियो पोस्ट किए थे, जिन पर करोड़ों में लाइक हैं, पीएम मोदी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या 10.5 करोड़ के पार हो चुकी है। सीजेपी आंदोलन में सिर्फ एक सप्ताह के दौरान उनके एकाउंट में नए 40 लाख फॉलोअर्स जुड़े हैं। पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर कड़ा रुख अपनाते हुए मोदी सरकार ने हाई पावर टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया है। वहीं, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिये पेपर लीक रोधी कानून में आवश्यक बदलाव कर उसे संसद से पास कराया है। ये गंभीर चिंता का विषय है कि अगर मेटा विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार कर सकती है तो क्या उन्होंने एक विशेष इंस्टा पोस्ट को वायरल नहीं किया होगा? क्या आप दावे से कह सकते हैं कि ये नहीं हुआ होगा? सोशल मीडिया का सारा नियंत्रण अमेरिकी कंपनियों के पास है। ये उनके लिए चुटकी बजाने जितना आसान काम है। भारतीय विज्ञापन राजस्व से अरबों कमाने वाले ये अमेरिकी प्लेटफॉर्म्स अब भारतीय लोकतंत्र को प्रभावित करने का काम कर रहे हैं, जिन पर मोदी सरकार को तुरंत सख्त 'रेड लाइन्स' तय करनी चाहिए। सीजेपी आंदोलन के दौरान 20 जुलाई को हुई हिंसा में अल्गोरिदम का भी बहुत बड़ा खेल है। इन विदेशी कंपनियों की मंशा साफ है। सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। किसी काम में आपको सकारात्मक परिणाम हासिल हो सकते हैं। किसी पुराने दोस्त से मिलने का योग बन रहा है। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा।

वृष राशि:वृष राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी खास काम में आपको फायदा होने वाला है। भाई-बहन के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होंगे। क्रॉकरी के बिजनेस में बढ़िया धनलाभ होगा। आज राजकीय कार्यों में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। कार्य स्थल पर आज आपको अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अपनी एकाग्रता बनाए रखनी होगी। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन शानदार रहेगा, व्यापार को बढ़ाने के लिये नया प्लान लाभदायक साबित होगा। अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज आप अपना लक्ष्य पाने के लिए नई योजनाएं बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल होंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज व्यापार में कुछ नई उपलब्धियां मिलने की संभावना है। इस समय तरक्की के अच्छे योग बने हुए हैं। प्रॉपर्टी से जुड़े काम को लेकर किसी पार्टी के साथ होने वाली डील आज फाइनल हो सकती है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज कामकाज से जुड़ी चुनौती आपके सामने आयेगी, लेकिन आप उस चुनौती से तुरंत ही पार पा लेंगे। यदि कोर्ट केस से जुड़ी कार्यवाही चल रही है, तो फैसला आपके पक्ष में आने की संभावना है। आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज ऑफिस में सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है तो उसे गंभीरता से लें, और अपनी कमियों को जानकर उसे सुधारने का प्रयास करें।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपकी जमीन जायदाद से जुड़ी किसी समस्या का समाधान निकल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी। आज आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बातें शेयर करने से बचना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किए गए काम से आपके बॉस काफी इम्प्रेस होंगे। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही करने से बचें। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां हासिल होंगी।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस को लेकर आप कुछ नया प्लान बनायेंगे। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स के काम से जुड़े हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जो उनको काफी लाभ पहुंचाएगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यशैली में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे अपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे।

सुविधाएँ बढ़ीं, बजट बढ़ा, फिर भी व्यवस्था वहीं क्यों?

[हाजिरी पूरी, कुर्सियाँ भरी — मगर जिम्मेदारी नदारद]
[भवन और साधन बढ़े, मगर सेवा का अर्थ घटता गया]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

शिकायतों की सूची लंबी है—अस्पताल में दवा नहीं, स्कूल में शिक्षक नहीं, सड़क पर रोशनी नहीं, कार्यालय में कर्मचारी नहीं। लेकिन सवाल हो कि जो है, वह काम कर रहा है या नहीं, तो आवाज़ धीमी पड़ जाती है। डॉक्टर हैं, मरीज के सामने नहीं; शिक्षक हैं, कक्षा में नहीं; कर्मचारी हैं, सीट पर नहीं; अधिकारी हैं, दायित्व पर नहीं। अस्पताल में मशीन है, जाँच नहीं; स्कूल में प्रयोगशाला है, प्रयोग नहीं; मैदान है, खेल नहीं; टंकी है, नल में पानी नहीं। समस्या सिर्फ सुविधाओं की कमी नहीं, मौजूद साधनों और पदों का अपने उद्देश्य से गायब होना है। संसाधन हैं, कुर्सियाँ भरी हैं, परिणाम नहीं। सवाल है—इस दिखाई देती अनुपस्थिति को कब तक अनदेखा करेंगे

हमने सुविधाओं को सेवा का माध्यम नहीं, निजी लाभ का साधन बना लिया है। सरकारी अस्पताल का डॉक्टर सरकारी समय में निजी मरीजों में व्यस्त है, जबकि ओ.पी.डी. में गरीब अपनी बारी का इंतजार करता है। शिक्षक कक्षा के लिए नियुक्त है, मगर उसकी ऊर्जा निजी कोचिंग में खपती है। सरकारी वाहन जनता के लिए है, मगर निजी आवागमन में चलता है; सरकारी कंप्यूटर काम के लिए है, मगर निजी कारोबार में इस्तेमाल होता है। सरकारी फोन, समय, कमरा और संसाधन—नाम सरकारी, इस्तेमाल निजी। यहीं से सुविधा का चरित्र बदल जाता है। जो साधन जनता की सेवा के लिए था, वही किसी की निजी सुविधा और कमाई का जरिया बन जाता है।विडंबना यह है कि हर समस्या का हल हम नई सुविधा में खोजते हैं—अस्पताल में भीड़ हो तो नया भवन, परिणाम कमजोर हों तो नई इमारत, मशीन खराब हो तो नई मशीन, कर्मचारी कम हों तो नई नियुक्ति। मगर पुरानी सुविधा का हिसाब कौन देगा? लाखों की मशीन खरीदी जाती है, तकनीशियन न मिले तो धूल खाती है; दवाइयाँ गोदाम भरती हैं, वितरण की लापरवाही से जरूरतमंद तक नहीं पहुँचतीं और एक्सपायरी उन्हें निगल जाती है। स्कूल में स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर और स्क्रीन आ जाते हैं, पर पढ़ाने का ढर्रा वही रहता है। प्रशिक्षण होते हैं, प्रमाणपत्र बंटते हैं, तस्वीरें खिंचती हैं—कक्षा में फिर भी रट्टा चलता है। संसाधन बढ़ते हैं, बजट बढ़ता है, खर्च बढ़ता है; बस उपयोगिता वहीं की वहीं रहती है।सुविधाएँ शायद इसी लिए चुपचाप सवाल करती हैं। अस्पताल का बिस्तर पूछता है— मैं मरीज के लिए था या सिर्फ औपचारिकता के लिए? किताब पूछती है—बच्चे तक पहुँची क्यों नहीं? स्ट्रीट लाइट पूछती है—मेरी रोशनी किस काम की, जब महीनों खराब पड़ी रहूँ? सार्वजनिक शौचालय बनता है, सफाई के अभाव में बेकार हो जाता है; बस स्टैंड खड़ा है, मगर यात्री सुविधा से वंचित हैं; पार्क बनता है, देखरेख न हो तो कूड़े और टूटे सामान में बदल जाता है। इमारतें खड़ी हैं, मशीनें खड़ी हैं, योजनाएँ कागज पर चल रही हैं—बस सेवा गायब है। सुविधा का शरीर बचा है, उद्देश्य मर चुका है। सबसे बड़ी विडंबना तब सामने आती है, जब हम दूसरों से ईमानदारी चाहते हैं और अपनी बारी पर सिस्टम ऐसा ही है कहकर बच निकलते हैं। डॉक्टर व्यवस्था को, शिक्षक विभाग को, कर्मचारी अधिकारी को, अधिकारी बजट को और नागरिक पूरे सिस्टम को दोष देता है। मगर सिस्टम है किससे? हमसे ही। समय पर न पहुँचने वाला कर्मचारी, बिना पढ़े फाइल बढ़ाने वाला अधिकारी, कक्षा को औपचारिकता मानने वाला शिक्षक, मरीज से ज्यादा निजी काम को तरजीह देने वाला डॉक्टर—ये सभी सिस्टम हैं। हम व्यवस्था बदलना चाहते हैं, पर शुरुआत खुद से नहीं। सिस्टम को कोसना आसान है, अपने भीतर के स्वार्थ को देखना कठिन। यही हमारी असली सामूहिक विडंबना है।

असली सवाल सुविधा के होने का नहीं, उसके सही इस्तेमाल का है। सही उपयोग हो तो मरीज को इलाज, छात्र को समझ, किसान को समय पर जानकारी, नागरिक को समय पर प्रमाणपत्र और सड़क को रात में रोशनी मिलती है। दुरुपयोग हो तो डॉक्टर की कुर्सी भरी रहती है, सेवा खाली; शिक्षक का वेतन आता है, मेहनत नहीं; कार्यालय खुला रहता है, समाधान बंद। कहीं नौकरी जिम्मेदारी नहीं, स्थायी सुविधा बन जाती है—हाजिरी पूरी, समय पूरा, काम अपनी मर्जी का। कहीं सरकारी संसाधन निजी काम में, कहीं सार्वजनिक समय निजी लाभ में। यह सिर्फ व्यवस्था की कमजोरी नहीं, हमारी सामूहिक बेईमानी है—जिसे हम सुविधाजनक ढंग से सिस्टम की समस्या कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच जाते हैं। अब विकास का सवाल भी बदलना होगा।

हर बार नई सुविधा कब मिलेगी? से पहले पूछा जाए— जो मिला, उसका परिणाम क्या आया? नया अस्पताल बनाने से पहले पुराने की दवा व्यवस्था देखी जाए; नई मशीन लाने से पहले पूछा जाए कि पुरानी बंद क्यों है; नया स्कूल खोलने से पहले देखा जाए कि मौजूदा स्कूल बच्चों को क्या दे रहा है; नई सड़क से पहले पुरानी सड़क की मरम्मत का हिसाब हो। हर योजना के साथ देखभाल, जिम्मेदारी और परिणाम भी तय हों। सुविधा खरीदना आसान है, उसे उपयोगी बनाए रखना कठिन।

मरम्मत बनी मौत का कारण! भिवंडी में 4 मंजिला इमारत ढही, 6 की मौत, कई मलबे में दबे

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया, जब 'कोहिनूर' नाम की चार मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय इमारत में मौजूद 8 से 10 लोग मलबे में दब गए थे। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल , भिवंडी पुलिस, दमकल विभाग और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पोकलेन मशीनों और आधुनिक उपकरणों की मदद से मलबा हटाकर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रयास जारी है।स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इमारत में मरम्मत का काम चल रहा था। आरोप है कि मरम्मत के दौरान ठेकेदार और मजदूरों ने इमारत के तीन अहम पिलर तोड़ दिए, जिससे इसकी नींव कमजोर हो गई और पूरी इमारत अचानक ढह गई। हालांकि, प्रशासन ने अभी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।हादसे के बीच राहत की बात यह रही कि इमारत गिरने से कुछ देर पहले उसमें कंपन और असामान्य आवाजें सुनाई दी थीं। खतरे का अंदेशा होते ही अधिकांश निवासी समय रहते बाहर निकल आए, जिससे बड़ा जनहानि टल गई।फिलहाल पहली मंजिल पर रहने वाले कुछ लोगों और मरम्मत कार्य में लगे मजदूरों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। जिला प्रशासन का कहना है कि सभी लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

'शर्म की बात है', अभिजीत दीपके बोले- रेपिस्ट का स्वागत करने वाले को बना दिया शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली,(आरएनएस)। शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर 36 दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए धर्मेंद्र प्रधान की जगह प्रह्लाद जोशी को केंद्रीय शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी सौंप दी। हालांकि, इस बदलाव के बाद भी आंदोलन से जुड़े संगठनों ने सरकार पर निशाना साधना जारी रखा है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने नए शिक्षा मंत्री को लेकर भी असंतोष जताते हुए कहा कि एक ऐसे व्यक्ति को देश का शिक्षा मंत्री बना दिया गया है जिसने बिलकिस बानो के रेपिस्ट का स्वागत किया था। ऐसे में देश के छात्र-छात्राओं में क्या संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही शर्म की बात है। न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि जो कुछ समय पहले तक हिंदू मुसलमान कर रहे थे वह अब रील डाल रहे हैं। कहीं ना कहीं Gen-Z ने दबाव डाला है कि शिक्षा पर बात करिए। 'जो नए शिक्षा मंत्री बनाया हैं उनका वीडियो बिलकिस बानो के रेपिस्ट का स्वागत करते हुए वायरल हुआ। आप एक रेपिस्ट के समर्थक को शिक्षा मंत्री बना रहे हैं। इसपर शर्म आ रही है।'दीपके ने कहा 'अगर कानूनन कुछ भी संभव है तब भी रेपिस्ट का स्वागत नहीं किया जा सकता। यह बहुत ही शर्मनाक है। पूरे देश के लिए शर्मनाक है। जब दुनिया को पता चलेगा कि भारत का शिक्षा मंत्री रेपिस्ट का स्वागत करता है। वहीं जो नए सेक्रेटरी बने हैं वह खुद करप्शन में शामिल रहे हैं। सैकड़ों-हजारों करोड़ों का घोटाला किया है। ऐसे में एक खऱाब इंसान को हटाकर दूसरे को जगह दी जा रही है। अभिजीत दीपके ने कहा, और भी लोग थे जिन्हें शिक्षा मंत्री बनाया जा सकता था। लेकिन उनके पास लोग ही ऐसे हैं जो कि गुंडे हैं।'

CJP प्रवक्ता ने BJP सांसद को क्यों दी 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ' बनने की नसीहत?

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। संसद भवन के बाहर प्रदर्शनकारियों पर विवादित टिप्पणी करने के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद कंगना रनौत अब 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के सीधे निशाने पर आ गई हैं। हाल ही में कंगना ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह कोई छात्र नहीं बल्कि एक पत्रकार हैं। इस तंज का अब सौरव दास ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने कंगना को नसीहत देते हुए कहा कि वह भले ही किसी स्कूल या कॉलेज के स्टूडेंट नहीं हैं, लेकिन वह 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ' जरूर हैं और कंगना रनौत को भी जीवन में यही होना चाहिए।बीजेपी सांसद पर सीधा पलटवार करते हुए सौरव दास ने कहा कि कंगना जी का गूगल भी उन्हें गलत जानकारी देता है। उन्होंने अपनी उम्र स्पष्ट करते हुए कहा कि वह 28 के नहीं बल्कि 27 साल के हैं। सौरव ने साफ किया कि वह एक पत्रकार हैं और उन्होंने कभी खुद को छात्र बताने का दावा नहीं किया। उनका कहना था कि हर इंसान को 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ' होना चाहिए ताकि उसमें आगे बढ़ने और नई चीजें सीखने की समझ विकसित हो सके। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि किसी की उम्र भले ही कितनी भी ज्यादा हो जाए, लेकिन अगर वह जीवन में सीख नहीं रहा है तो उसमें कभी समझदारी नहीं आएगी। कंगना जी को भी यह बात समझनी चाहिए।बता दें कि कंगना रनौत और सीजेपी प्रवक्ता के बीच यह जुबानी जंग सोशल मीडिया से शुरू हुई थी। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दास की उम्र और उनके छात्र होने पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने लिखा था कि गूगल करने पर इस व्यक्ति की उम्र 28 साल नजर आती है, फिर भी यह खुद को छात्र बताता है, जो समझ से परे है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 80 हुई, आठ जिलों में 2.12 लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी ,(आरएनएस)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अब तक आठ जिलों में 2.12 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इस साल मरने वालों की कुल संख्या भी बढ़कर 80 हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, गोलाघाट, शिवसागर, विश्वनाथ, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, धेमाजी और नागांव जिलों में कुल 2,12,441 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इस आपदा ने 21 राजस्व मंडलों (रेवेन्यू सर्कल) में 437 गांवों को प्रभावित किया है, जबकि बाढ़ के कारण 17,198.09 हेक्टेयर फसल खराब हुई है। एएसडीएमए ने बताया कि पिछले 24 घंटों में शिवसागर जिले में दो और लोगों की मौत हो गई, जिससे इस सीजन में राज्य में बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या 80 हो गई है। अधिकारी

प्रभावित जिलों में राहत और बचाव कार्य जारी रखे हुए हैं। विस्थापित परिवारों को आश्रय देने के लिए 21 जगहों पर राहत शिविर खोले गए हैं, जबकि जिला प्रशासन प्रभावित लोगों को भोजन, पीने का पानी और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध करा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शहरी इलाकों में बाढ़ का असर कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले के कुछ हिस्सों में बना हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि कई नदियों में जलस्तर अभी भी ऊंचा बना हुआ है। राज्य सरकार और जिला प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।इसी बीच, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गुरुवार रात एक सार्वजनिक एडवाइजरी जारी कर निवासियों से धनसिरी (दक्षिण) नदी से दूर रहने को कहा, क्योंकि गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में इसका जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। प्राधिकरण ने जनहित एडवाइजरी में कहा, असम के गोलाघाट जिले में नुमालीगढ़ के पास धनसिरी (दक्षिण) नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे नदी से दूर रहें।

समुद्र मंथन से पीएम किसान योजना तक, मोदी कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई अहम फैसलों को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश के ऊर्जा, कृषि, खेल और तेल-गैस क्षेत्र से जुड़े कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत को गति देने के साथ-साथ किसानों,

खिलाड़ियों और ऊर्जा क्षेत्र को नई मजबूती देना है।कैबिनेट ने प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत देशभर के जलाशयों, तालाबों और अन्य जल निकायों की सतह पर फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और जल संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। सरकार का मानना है कि यह पहल भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया है। इसके लिए 3.15 लाख करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। योजना के तहत पात्र किसानों को पहले की तरह हर वर्ष 6,000 रुपये की सहायता तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खातों में मिलती रहेगी। सरकार का कहना है कि इससे किसानों को समय पर बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्री खरीदने में मदद मिलेगी तथा महंगे कर्ज पर निर्भरता कम होगी। देश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और खेल ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से खेलो इंडिया योजना के लिए अगले पांच वर्षों में 29,000 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। सरकार का कहना है कि इस निवेश से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारियां उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि भारत भविष्य की वैश्विक प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन कर सके।

असम में बाढ़ की स्थिति पर चर्चा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) असम के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया, विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा, बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव और राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा और लोकसभा सांसद प्रदान बरुआ ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

'पेपर लीक माफिया पर अब कानून का शिकंजा', राज्यसभा में राघव चड्ढा ने किया एंटी-पेपर लीक बिल का समर्थन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान सांसद राघव चड्ढा ने विधेयक का समर्थन करते हुए इसे देश का पहला समर्पित एंटी-पेपर लीक फ्रेमवर्क बताया। उन्होंने कहा कि वर्षों से पेपर लीक ने लाखों छात्रों की मेहनत और सपनों को नुकसान पहुंचाया है, लेकिन अब संगठित पेपर लीक माफिया के खिलाफ सख्त कानूनी ढांचा तैयार किया गया है।

राघव चड्ढा ने कहा कि नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं में छात्रों की शिकायतों को सरकार ने गंभीरता से लिया और प्रधानमंत्री ने परिवार के मुखिया की तरह निर्णय लेते हुए परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक बयानबाजी के बजाय संस्थागत सुधारों का रास्ता चुना गया है।

उन्होंने कहा कि नया कानून पेपर लीक को संगठित अपराध की श्रेणी में लाएगा। इसमें 10 वर्ष तक की सजा, 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने, विशेष जांच दल, फास्ट ट्रैक कोर्ट और समयबद्ध जांच जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। उनका कहना था कि इससे ईमानदार छात्रों को निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था मिलेगी और मेरिट का सम्मान सुनिश्चित होगा। भाषण के दौरान राघव चड्ढा ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एक परीक्षा केवल रैंक तय कर सकती है, किसी छात्र की कीमत नहीं। उन्होंने छात्र आंदोलनों के राजनीतिकरण से बचने की अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई राजनीतिक दलों की नहीं, बल्कि मेरिट और माफिया के बीच है। राघव चड्ढा ने अपने भाषण में पंजाब में फार्मेसी भर्ती, नीट समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं तथा कर्नाटक में हुए कथित पेपर लीक मामलों का उल्लेख करते हुए जवाबदेही की मांग की। उन्होंने कहा कि देशभर में सामने आई ऐसी घटनाओं ने एक सख्त राष्ट्रीय कानून की आवश्यकता को स्पष्ट किया है।

बीजेपी के तेजतर्रार प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने छोड़ी पार्टी? बायो बदलकर राजनीति से संन्यास का दिया सीधा संकेत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खेमे से एक बेहद चौंकाने वाली और बड़ी सियासी हलचल सामने आई है। टीवी डिबेट्स में विरोधियों के पसीने छुड़ाने वाले बीजेपी के सबसे चर्चित और तेजतर्रार राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला के पार्टी छोड़ने की खबरें तेजी से फैल रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि पूनावाला ने बीजेपी की सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया है। हालांकि उन्होंने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके हालिया कदम और बयानों ने इन अटकलों को पूरी तरह से पुख्ता कर दिया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

'एक्स' से हटाया बीजेपी का नाम, नया बायो किया अपडेट

इस पूरी सियासी हलचल की सुगबुगाहट तब शुरू हुई जब शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपना बायो अचानक बदल दिया। उन्होंने अपने प्रोफाइल से 'बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता' का पद हटा दिया है। पूनावाला ने गुरुवार को अपने इस नए अपडेटेड बायो का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने खुद को 'धर्म से इस्लाम, संस्कृति से हिंदू और विचारधारा से भारतीय' बताया है। इसके साथ ही उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आजीवन

अनुयायी भी लिखा है। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि इस बड़े बदलाव के बावजूद उनके इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अभी भी उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय प्रवक्ता ही दर्शाया जा रहा है।

पुराने वीडियो शेयर कर सक्रिय राजनीति छोड़ने का किया जिक्र

पार्टी से इस्तीफे की अटकलों को हवा देते हुए शहजाद पूनावाला ने अपने दो पुराने इंटरव्यू क्लिप भी एक्स पर रीपोस्ट किए हैं, जो 28 जून और 9 जुलाई के हैं। इन वीडियोज में वह सक्रिय राजनीति से किनारा करने और समाज सेवा से जुड़ने की बात कहते नजर आ रहे हैं। उन्होंने एक वीडियो में साफ कहा था कि वह चुनावों के बाद राजनीति छोड़ने का मन बना चुके थे, लेकिन तीसरी बार सत्ता में लौटने के बाद पीएम मोदी को भावुक देखकर उन्होंने अपना इरादा बदल लिया था। उन्होंने बंगाल, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे अहम विधानसभा चुनावों में जीत का संदेश देने के बाद ही सक्रिय राजनीति से हटने का संकल्प लिया था।

कांग्रेस से बगावत कर 2021 में संभाला था बीजेपी का मोर्चा

विपक्ष के सबसे मुखर आलोचकों में गिने जाने वाले 38 वर्षीय वकील और एक्टिविस्ट शहजाद पूनावाला का सियासी सफर हमेशा से काफी चर्चा में रहा है। उन्होंने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कांग्रेस पार्टी के साथ की थी, लेकिन साल 2017 में वह तब रातों-रात सुर्खियों में आ गए जब उन्होंने राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने का कड़ा विरोध किया था। परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति के खिलाफ अपनी ही पार्टी से बगावत करने के बाद उन्होंने अलग रास्ता चुन लिया था। साल 2021 में उन्हें दिल्ली में बीजेपी के सोशल मीडिया विंग का इंचार्ज बनाया गया था और तब से वह हर बड़े मंच पर पार्टी का मजबूती से पक्ष रखते आ रहे थे। अब उनके इस संभावित संन्यास ने सबको हैरत में डाल दिया है।

850 किमी दूर प्रेमी के प्यार में पड़ी 3 बच्चों की मां, बिहार से खींची चली आई लखीमपुर; मासूम बिलखते रहे पर नहीं पिघला दिल

लखीमपुर खीरी, (आरएनएस)। वर्चुअल दुनिया का इश्क जब हकीकत की चौखट पर पहुंचता है, तो कई बार ऐसे हैरान करने वाले मोड़ ले लेता है जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। डिजिटल प्यार के नशे में चूर एक 38 वर्षीय शादीशुदा महिला ने अपने 15 साल पुराने परिवार को इस कदर पलक झपकते ही भुला दिया कि उसकी कहानी सुनकर हर कोई सन्न है।

इंस्टाग्राम पर रील्स बनाने के शौक ने बिहार की इस महिला को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के रहने वाले एक 18 साल के नौजवान का ऐसा दीवाना बना दिया कि वह अपने पति और तीन मासूम बच्चों को बिलखता छोड़ 850 किलोमीटर दूर अपने प्रेमी के दर पर जा पहुंची। हैरानी की बात तो यह है कि जब पति अपने बच्चों को लेकर उसे मनाने थाने पहुंचा, तो बच्चों की गुहार सुनकर भी इस मां का दिल जरा भी नहीं पसीजा और उसने दो-टूक कह दिया कि वह अब वापस नहीं लौटेगी।

चैटिंग से शुरू हुआ सिलसिला और हो गया प्यार

यह पूरा हैरान करने वाला मामला बिहार की रहने वाली सुमन कुमारी उर्फ लवली (38) और लखीमपुर खीरी के नीमगांव क्षेत्र के रहने वाले 18 वर्षीय पवन का है। करीब 15 साल पहले सुमन की शादी बिहार के ही प्रद्युम्न से हुई थी और उनके तीन बच्चे (14, 8 और 6 साल) हैं। घर पर रहने के दौरान सुमन सोशल मीडिया पर रील्स बनाया करती थी। इसी दौरान करीब छह महीने पहले इंस्टाग्राम पर उसकी बातचीत पवन से शुरू हुई। पवन उस वक्त हरियाणा के सोनीपत में एक कंपनी में नौकरी करता था। पहले फॉलो और लाइक से शुरू हुई यह कहानी डायरेक्ट मैसेज, फिर वीडियो कॉल और अंतत: गहरे प्रेम संबंध में तब्दील हो गई।प्रेमी से विवाद हुआ, फिर भी 850 किमी दूर पीछा करते पहुंच गई यूपीप्यार का परवान ऐसा चढ़ा कि करीब तीन महीने पहले सुमन अपने पति और तीनों बच्चों को बिना भनक लगे घर छोड़कर सीधे सोनीपत पहुंच गई। दोनों कुछ समय तक वहां साथ रहे, लेकिन यह कहानी भी जल्द ही विवादों में घिर गई। आरोप है कि सुमन की दूसरे युवकों से फोन पर बातचीत को लेकर पवन और उसके बीच झगड़े होने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि पवन उसे छोड़कर वापस अपने गांव लखीमपुर खीरी लौट आया। लेकिन प्यार के जुनून में अंधी हो चुकी सुमन ने हार नहीं मानी। वह पवन का पीछा करते हुए 850 किलोमीटर का लंबा सफर तय करके लखीमपुर खीरी के उसके गांव पहुंच गई। गांव में बाहरी महिला को देख पंचायत बैठी और फिर ग्राम प्रधान ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी।

थाने में बिलखते रहे बच्चे, मां बोली- 'पति निकम्मा है, मैं नहीं जाऊंगी'

मामले की भनक लगते ही सुमन का पति प्रद्युम्न अपने तीनों बच्चों को साथ लेकर लखीमपुर खीरी पहुंच गया। नीमगांव थाने में दो दिन तक हाई-वोल्टेज ड्रामा चला। थाने का दृश्य उस वक्त बेहद भावुक हो गया जब मासूम बच्चे अपनी मां से लिपटकर घर लौटने की मिन्नतें करने लगे। पुलिस, स्थानीय लोगों और पति ने भी परिवार और बच्चों के भविष्य का वास्ता देकर उसे बहुत समझाया, लेकिन सुमन टस से मस नहीं हुई। उसने साफ शब्दों में कह दिया कि उसका पति कोई काम नहीं करता, इसलिए वह उसके साथ वापस उस नर्क में नहीं जाएगी। महिला ने यह कहकर सबको चौंका दिया कि बच्चे उसके पति के हैं, इसलिए अब उनकी जिम्मेदारी भी वही उठाए। वह अपने नए प्यार के साथ नई जिंदगी शुरू करना चाहती है।

प्रेमी का हैरान करने वाला दावा- 'मुझे शादी और बच्चों का नहीं था पता'

इस पूरी प्रेम कहानी में 18 साल के प्रेमी पवन का बयान भी कम चौंकाने वाला नहीं है। पवन का कहना है कि इंस्टाग्राम पर जब उनकी दोस्ती हुई थी, तब सुमन ने उसे यह नहीं बताया था कि वह शादीशुदा है और तीन बच्चों की मां है। पवन के मुताबिक, जब उसे बाद में इस कड़वी सच्चाई का पता चला तो दोनों के बीच विवाद होने लगा और वह पीछा छुड़ाकर गांव भाग आया, लेकिन वह यहां भी पहुंच गई।

महिला के प्राइवेट पार्ट पर वाइब्रेटिंग मशीन रखना भी रेप.. केरल हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, 10 साल की सजा बरकरार

कोच्चि (ए.)। केरल हाईकोर्ट ने यौन अपराधों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी महिला या नाबालिग के जननांग पर जबरन किसी वाइब्रेटिंग उपकरण या अन्य वस्तु का इस्तेमाल किया जाता है, तो इसे केवल यौन उत्पीड़न नहीं माना जाएगा।

अदालत ने कहा कि ऐसी हरकत परिस्थितियों के अनुसार पोक्सो (POCSO) अधिनियम के तहत 'पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट' तथा भारतीय दंड संहिता (घटना के समय लागू कानून) की धारा 375 के तहत दुष्कर्म की श्रेणी में आती है। टिप्पणी हाईकोर्ट ने त्रिशूर निवासी जोशी के. जे. की उस अपील को खारिज करते हुए की, जिसमें उसने ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा को चुनौती दी थी।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी को एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की से बलात्कार और गंभीर यौन उत्पीड़न के जुर्म में ट्रायल कोर्ट द्वारा 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई थी, जिसे हाई कोर्ट ने पूरी तरह सही ठहराया है। यह घटना 20 जुलाई 2019 की है। पीड़िता 12वीं की परीक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई और नौकरी की तलाश में थी। चर्चित फर्जी एंटीक कलेक्टर मनसून मावुंकल ने उसे कॉस्मेटोलॉजी सिखाने और नौकरी देने का झांसा देकर अपने घर बुलाया। मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच के अनुसार, मनसून के सहयोगी आरोपी जोशी ने पीड़िता को ट्रीटमेंट रूम में जबरन लिटाया। इसके बाद उसने एक वाइब्रेटिंग मशीन जैसा उपकरण पीड़िता के योनिक द्वार पर चालू अवस्था में जबरन लगाया। आरोपी ने पीड़िता को मुंह बंद रखने की धमकी भी दी थी। मनसून की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता ने इस दरिंदगी का खुलासा किया।

ईरान की मदद करने पर भड़का अमेरिका, भारत की इस कंपनी समेत 6 पर ठोका कड़ा प्रतिबंध

वाशिंगटन (ए.)। ईरान की विवादित एयरलाइन और खतरनाक आतंकी संगठनों को गुपचुप तरीके से समर्थन देने के आरोप में अमेरिका ने भारत की एक कंपनी सहित कुल छह संस्थाओं और व्यक्तियों पर भारी-भरकम प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कूटनीतिक गलियारों में खलबली मचाने वाली है। अमेरिका का सीधा आरोप है कि इन संस्थाओं ने ईरान के कुख्यात 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (IRGC) को वित्तीय और लॉजिस्टिक सहायता देकर एक बहुत बड़े आतंकवादी नेटवर्क को मजबूत करने का काम किया है।

प्रतिबंधित ईरानी एयरलाइन के व्यावसायिक संचालन में मदद कर रहे थे।

रडार पर भारत की कंपनी, श्रीनगर और दिल्ली में हैं ऑफिस

अमेरिकी ट्रेजरी (वित्त) विभाग ने गुरुवार (31 जुलाई) को जिन कंपनियों पर यह कड़ी कार्रवाई की है, उनमें भारत में स्थित 'स्कीज ट्रैवल्स एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड' का नाम प्रमुखता से शामिल है। जानकारी के मुताबिक, इस भारतीय कंपनी के मुख्य कार्यालय श्रीनगर और नई दिल्ली में संचालित हो रहे हैं। अमेरिकी विभाग का दावा है कि यह कंपनी साल 2020 से ईरान की 'महान एयर' के जनरल सेल्स एजेंट के रूप में काम कर रही थी। खुद इस कंपनी की वेबसाइट पर भी इस बात का जिक्र मौजूद है कि वे इस

'आतंकी संगठन की मदद बर्दाश्त नहीं', अमेरिका की सख्त चेतावनी

इस बड़े एक्शन पर अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बेहद सख्त लहजे में चेतावनी दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि जो भी व्यक्ति या संस्था आईआरजीसी (IRGC) या महान एयर को किसी भी प्रकार की वित्तीय सेवाएं, लॉजिस्टिक सपोर्ट या व्यावसायिक सहयोग दे रही है, वह सीधे तौर पर एक आतंकवादी संगठन की मदद कर रही है। बेसेंट ने साफ किया कि अमेरिकी सरकार भविष्य में भी ऐसी संस्थाओं की पहचान कर उन्हें बेनकाब करती रहेगी और उन्हें अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से पूरी तरह से काटकर अलग कर दिया जाएगा।

'महान एयर' पर हथियारों और ड्रोन्स की सप्लाई का संगीन आरोप

अमेरिका ने 'महान एयर' को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। अमेरिका का आरोप है कि यह एयरलाइन दुनिया के सामने खुद को एक साधारण नागरिक विमानन कंपनी के रूप में पेश करती है, लेकिन पर्दे के पीछे से यह लंबे समय से आईआरजीसी और उसकी बेहद खतरनाक 'कुद्स फोर्स' की मदद कर रही है। ट्रेजरी विभाग के अनुसार, इस एयरलाइन ने कुद्स फोर्स के गुर्गों की यात्राएं करवाईं, सैन्य प्रशिक्षण गतिविधियों में मदद की और यहां तक कि घातक ड्रोन्स (UAV) व हथियारों के परिवहन का भी काम किया। इन्हीं संगीन और आतंकी गतिविधियों के चलते महान एयर पर अमेरिका पहले भी कई कड़े प्रतिबंध लगा चुका है।

ट्रंप सरकार का बड़ा झटका! पढ़ाई के बाद अमेरिका में नौकरी के लिए चुकाने होंगे 96 लाख रुपए, मुश्किल में लाखों भारतीय छात्र

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिका में पढ़ाई करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक बेहद चिंताजनक खबर सामने आ रही है। डोनाल्ड ट्रंप सरकार एक ऐसे नए प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है, जिसके लागू होने पर अमेरिकी यूनिवर्सिटियों से पढ़ाई पूरी करने वाले विदेशी छात्रों को वहां नौकरी करने के लिए 1 लाख डॉलर यानी करीब 96 लाख रुपये चुकाने पड़ सकते हैं। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की एक रिपोर्ट में किए गए इस दावे के बाद से ही सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। आलोचकों और शिक्षाविदों ने इस प्रस्ताव को बेहद अदूरदर्शी और बेवकूफी भरा फैसला करार दिया है। उनका मानना है कि इस कदम से दुनियाभर के प्रतिभावान छात्र अमेरिका जाने से कतराने लगेंगे और यह फैसला ट्रंप के कानूनी आव्रजन (इमिग्रेशन) को सीमित करने के एजेंडे को आगे बढ़ाएगा।

पाकिस्तान के कराकोरम पर्वत पर हिमस्खलन, दुनिया के सबसे मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा समेत 10 लोग लापता

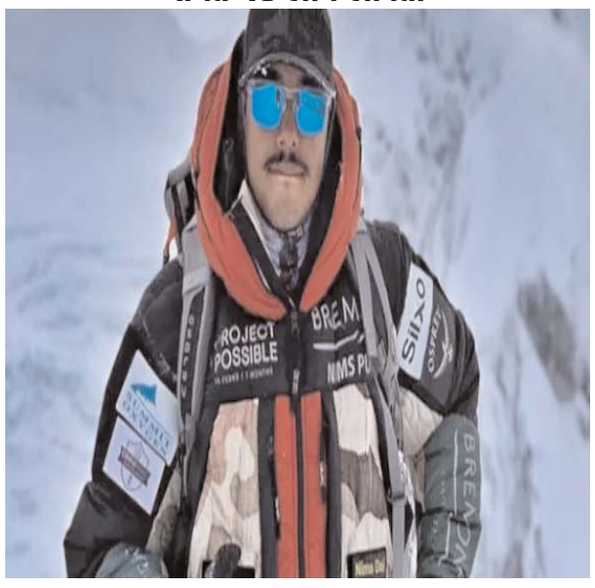

इस्लामाबाद (ए.)। पहाड़ों का सीना चीरकर एक से बढ़कर एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने वाले दिग्गज पर्वतारोही पर कुदरत का सबसे भयानक कहर टूटा है। पाकिस्तान की खतरनाक काराकोरम पर्वत श्रृंखला में आए एक विनाशकारी हिमस्खलन (एवलांच) ने पूरी दुनिया को सदमे में डाल दिया है। इस खौफनाक हादसे में दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों को फतह करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले मशहूर नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा सहित 10 लोग लापता हो गए हैं। बर्फ का पहाड़ दरकने के बाद से ही पूरी टीम का दुनिया से संपर्क पूरी तरह टूट चुका है। पर्वतारोहण जगत में इस खबर से हड़कंप मचा हुआ है और उनकी सलामती के लिए हर मुमकिन कोशिशें तेज कर दी गई हैं। उत्तरी पाकिस्तान के बर्फीले पहाड़ों पर यह दिल दहला देने वाला मंजर तब सामने आया जब पर्वतारोहियों का एक दल 8,047 मीटर ऊंची खतरनाक 'ब्रॉड पीक' फतह करने के अभियान पर था। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, अचानक बर्फ का एक विशालकाय हिस्सा टूटकर नीचे आ गिरा और यह पूरी टीम इस हिमस्खलन की सीधी चपेट में आ गई। इस खतरनाक मिशन का नेतृत्व खुद दिग्गज निर्मल पुर्जा कर रहे थे। क्लब के अनुसार, इस लापता टीम में पुर्जा समेत पांच नेपाली, एक पाकिस्तानी, एक अमेरिकी, एक ओमानी, एक चीनी और एक अन्य विदेशी नागरिक शामिल है। हादसे के बाद से किसी भी सदस्य का कोई अता-पता नहीं चल सका है।

खराब मौसम बना विलेन, रेस्क्यू के लिए झोंकी जा रही ताकत

इतनी अधिक ऊंचाई पर हुए इस बड़े हादसे के बाद से प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान ने गुरुवार देर रात बताया कि यह घटना बेहद चिंताजनक है और लापता टीम की तलाश के लिए युद्ध स्तर पर योजना बनाई जा रही है। हालांकि, खराब मौसम और विकट परिस्थितियों के कारण बचाव अभियान में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन तमाम बाधाओं के बावजूद, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हेलीकॉप्टर और बचाव के सभी आधुनिक संसाधनों को जल्द से जल्द घटनास्थल पर भेजने की हर संभव कोशिश की जा रही है, ताकि समय रहते जिंदगियों को बचाया जा सके।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कोयला खदान में भीषण विस्फोट, 32 मजदूरों की मौत, कई लापता

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को एक कोयला खदान में भीषण विस्फोट के बाद बड़ा हादसा हो गया। विस्फोट के कारण खदान का एक बड़ा हिस्सा ढह गया, जिससे कम से कम 32

मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर अब भी जमीन के नीचे फंसे होने की आशंका है।यह हादसा बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के निकट सुरांज के दूरदराज इलाके में हुआ। बलूचिस्तान के खान एवं खनिज विकास मंत्री शोएब नोशेरवानी ने बताया कि विस्फोट के समय खदान के ढहे हुए हिस्से में कई मजदूर काम कर रहे थे।उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक मजदूर के परिवार को 5 लाख पाकिस्तानी रुपये (करीब 1,800 अमेरिकी डॉलर) का मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही हादसे के कारणों की जांच कर खदानों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने की बात भी कही।हादसे की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। चीफ इंस्पेक्टर ऑफ माइंस मोहम्मद आतिफ ने बताया कि बचाव अभियान जमीन से करीब 4,000 फीट (1,219 मीटर) की गहराई में चलाया जा रहा है।

यूरोप के सामने नया संकट!, मोरक्को की सीमा तोड़कर स्पेन में घुसे हजारों प्रवासी, 9 की मौत-सीमा सील

सेउटा (ए.)। मोरक्को की सीमा से लगे स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र सेउटा में गुरुवार को हजारों प्रवासियों ने सीमा की बाड़ तोड़कर स्पेन में प्रवेश कर लिया। इस दौरान मची अफरा-तफरी में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई।

हालात बिगड़ने के बाद स्पेन सरकार ने सीमा पर सुरक्षा बढ़ाते हुए सेना तैनात करने का फैसला किया है।सेउटा के स्थानीय प्रशासन ने मैड्रिड से तत्काल मदद मांगी थी। इसके बाद सरकार ने घोषणा की कि सिविल गार्ड की सहायता के लिए सशस्त्र बलों को भेजा जाएगा, ताकि शहर में कानून-व्यवस्था और सीमा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज शुक्रवार को गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का के साथ सेउटा का दौरा करेंगे। बॉर्डर पर तैनात सिविल गार्ड एसोसिएशन के प्रमुख रचिद सबीही ने बताया कि हजारों प्रवासी सीमा पार कर रहे हैं और कुछ समय के लिए सीमा सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई थीउत्तरी मोरक्को के मानवाधिकार कार्यकर्ता अचरफ मैमौनी के अनुसार, गुरुवार सुबह ताराजल बॉर्डर को असामान्य परिस्थितियों में खोल दिया गया, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग स्पेन की ओर बढ़ गए। घटना के वीडियो में ताराजल बीच पर सैकड़ों लोगों की भीड़ दिखाई दी। इनमें अधिकांश मोरक्को के युवा थे, जबकि महिलाओं और छोटे बच्चों वाले परिवार भी शामिल थे। कई लोगों को "वीवा एस्पाना" (स्पेन अमर रहे) के नारे लगाते हुए भी देखा गया। सेउटा में स्पेन के सरकारी प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, इस अफरा-तफरी में कम से कम 9 लोगों की मौत हुई है। हालांकि मौत का आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है,

लेकिन समुद्र में शव तैरते हुए देखे गए। अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष सेउटा पहुंचने की कोशिश में दर्जनों प्रवासी अपनी जान गंवा चुके हैंइस घटनाक्रम का असर इटली तक पहुंचा है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्पेन के साथ शेंगेन व्यवस्था को अस्थायी रूप से निलंबित करने की चेतावनी दी है, ताकि सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेस्थानीय अधिकारियों का मानना है कि हालिया संकट इस महीने आए सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से भी जुड़ा है, जिसमें समुद्र के रास्ते आने वाले प्रवासियों को कानूनी प्रक्रिया पूरी किए बिना तुरंत वापस नहीं भेजने की बात कही गई थी। हालांकि यह नियम जमीन के रास्ते आने वालों पर लागू नहीं होता।

फीचर

रानी पिंक सूट में शहनाज गिल ने ढाया कहर, वायरल एथनिक फोटोशूट ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड और पंजाबी इंडस्ट्री की चहेती अदाकारा शहनाज गिल अपने स्टाइल स्टेटमेंट और गजब के ट्रांसफॉर्मेशन से हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक नया एथनिक फोटोशूट पोस्ट किया है, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर आग की तरह वायरल हो गया है। इस लेटेस्ट फोटोशूट में शहनाज ने गहरे रानी पिंक कलर का बेहद खूबसूरत एथनिक सूट कैरी किया है। उनके इस आउटफिट को बहुत ही बारीकी से डिजाइन किया गया है। कुर्ती के योक पर गोल्डन थ्रेडवर्क, बारीक गोटा-पत्ती और जटिल जरदोजी वर्क के साथ-साथ शानदार मिरर और सेक्विन वर्क किया गया है।कुर्ती के डीप-नेकलाइन और स्लीव्स के किनारों पर लगे लटकन-मोती इस ड्रेस को एक रॉयल और हेरिटेज लुक दे रहे हैं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग एम्ब्रॉयडरी वाली स्ट्रेट-फिट एंकल लेंथ पैंट और नेट का एक खूबसूरत शीर दुपट्टा पेयर किया है, जो उनके पूरे लुक में एलिगेंस का तड़का लगा रहा है।शहनाज गिल अपने ने मेकअप को बेहद सिंपल और सटल रखा है। उन्होंने लाउड कलर्स को छोड़कर न्यूड-ग्लॉसी लिप्स, न्यूड आईशैडो, मस्कारा से सजी पलकें और हल्का सा ब्लश ऑन चुना है, जो उनके नेचुरल फीचर्स को बखूबी उभार रहा है।हेयरस्टाइल की बात करें तो शहनाज ने अपने सिग्नेचर स्टाइल को अपनाते हुए बालों को मिडल-पार्टिंग के साथ सॉफ्ट वेवी लुक दिया है। उनके खुले काले बाल कंधों पर लहराते हुए उनके चेहरे के कट को बेहद खूबसूरती से फ्रेम कर रहे हैं। शहनाज गिल का यह फोटोशूट किसी लग्जरियस इनडोर स्टूडियो का लग रहा है, जहां वह एक आलीशान विंटेज आर्मचेयर पर बैठकर बेहद दिलकश अंदाज में पोज दे रही हैं।

ऋचा चड्ढा का ओटीटी के बाद अब यूट्यूब पर जलवा, मुसाफिरी के साथ नया सफर शुरू

गर्ल्स विल बी गर्ल्स से बतौर अभिनेत्री ऋचा चड्ढा अब अपने निर्माता वाहवाही बटोरने के बाद हैं। ऋचा अपने प्रोडक्शन एक नए प्रोजेक्ट के साथ तैयार के तहत एक नई नॉन- हाउस पुशिंग बटन स्टूडियोज लेकर आ रही हैं। सफर, फिक्शन सीरीज मुसाफिरी अनकही कहानियों को जीवन के अनुभवों और सीरीज इसी साल अगस्त समेटने वाली उनकी ये रिलीज की जाएगी। में उनके यूट्यूब चैनल पर में क्या कहा। आइए जानें ऋचा ने इस बारे

एक ट्रैवल सीरीज के रूप में तैयार की गई मुसाफिरी में आपको यात्रा, संस्कृति और दिलचस्प बातचीत का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा।इसमें ऋचा खुद अलग-अलग खूबसूरत जगहों की सैर करती नजर आएंगी, जहां वो वहां की कहानियों, इतिहास, परंपराओं और स्थानीय लोगों की जिंदगी को करीब से तलाशेंगी।मुसाफिरी का मकसद दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ नई जानकारी देना और एक उत्सुक मुसाफिर की नजरों से दुनिया को देखने का एक नया नजरिया पेश करना है।अपनी सीरीज पर ऋचा ने कहा, सफर ने मुझे हमेशा रुकने, चीजों को गहराई से देखने और सीखने का मौका दिया है। मुसाफिरी के जरिए मैं कुछ ऐसा बनाना चाहती थी, जो सिर्फ जगहों की सूची पर टिक लगाने तक सीमित न रहे। हर जगह की अपनी एक लय, इतिहास और लोग होते हैं, जिन्हें अक्सर आम ट्रैवल कंटेंट में उतनी जगह नहीं मिल पाती। ये सीरीज इन्हीं परतों को धीरे-धीरे महसूस करने और अनुभव करने के बारे में है।ऋचा बोलीं, उम्मीद है कि दर्शक इसे देखकर न केवल अपनी अगली ट्रिप के नए विचार लेकर जाएंगे, बल्कि उन खूबसूरत जगहों और वहां रहने वाले लोगों के प्रति उनका नजरिया भी बदलेगा।

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है नींबू, जानिए इसके 5 प्रमुख फायदे

नींबू एक ऐसा फल है, जो न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। इसमें विटामिन-सी, पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं। नींबू का पानी पीने से शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद मिलती है और यह पाचन को भी बेहतर बनाता है। आइए जानते हैं कि नींबू का सेवन कैसे हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक

नींबू विटामिन-सी का अच्छा स्रोत है, जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करता है।नियमित रूप से नींबू पानी पीने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और संक्रमण से लड़ने की शक्ति मिलती है।इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण भी शरीर को हानिकारक तत्वों से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे हम बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं। इसलिए अपने रोजमर्रा के भोजन में नींबू को शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

पाचन के लिए है लाभकारी

नींबू का सेवन पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह पेट की अम्लता को संतुलित करता है और भोजन को पचाने में मदद करता है।इसके अलावा यह कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक है। नींबू में मौजूद फाइबर पेट की सफाई करता है और इसे स्वस्थ रखता है।नियमित रूप से नींबू पानी पीने से पेट की समस्याओं से बचाव होता है और पाचन बेहतर होता है।

वजन कम करने में है मददगार

वजन कम करने के लिए भी नींबू बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद पेक्टिन फाइबर भूख को कम करता है, जिससे आप कम खाते हैं और वजन घटाने में मदद मिलती है।इसके अलावा नींबू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी सहायक होते हैं।इसलिए अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो अपने आहार में नींबू को शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

त्वचा की देखभाल करने वाला है बेहतरीन

नींबू त्वचा की देखभाल करने में भी मददगार साबित हो सकता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक एसिड त्वचा की गंदगी हटाता है और इसे साफ-सुथरा बनाता है। नींबू का रस मुंहासों के निशान हटाने में भी कारगर होता है।इसके अलावा यह त्वचा की चमक बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए नींबू को अपने त्वचा देखभाल के तरीके में शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके अन्य फायदे भी हैं जो त्वचा के लिए लाभकारी होते हैं।

हृदय के लिए है फायदेमंद

हृदय रोगों से बचाव करने में भी नींबू बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद खास तत्व हृदय रोगों से बचाव करने में सहायक होते हैं।इसके अलावा नींबू में पोटेशियम मौजूद होता है, जो रक्तचाप को संतुलित रखता है और हृदय को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। इस प्रकार नींबू कई तरीकों से हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। इसे अपने रोजमर्रा के भोजन में शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

अक्सर चाबी खो देते हैं? इन हैक्स को अपनाएं, चाबी मिलेगी सही जगह

अक्सर लोग अपनी चाबी खो देते हैं, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। खासकर जब आप जल्दी में होते हैं और चाबी नहीं मिलती तो तनाव बढ़ जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए कुछ सरल और असरदार उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी चाबियों को हमेशा सुरक्षित रख सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बना सकते हैं और समय की बचत कर सकते हैं।

चाबी रखने के लिए एक निश्चित जगह तय करें

अपने घर में एक निश्चित जगह तय करें जहां आप हमेशा अपनी चाबियां रखें। यह जगह दरवाजे के पास हो सकती है या किसी अलमारी के अंदर हो सकती है।इस तरह जब भी आपको बाहर जाना हो तो आपको बार-बार इधर-उधर नहीं खोजना पड़ेगा और आप जल्दी तैयार हो सकेंगे।

इस आदत को अपनाने से आपको अपनी चाबियां कभी नहीं खोनी पड़ेगी और आप बिना किसी तनाव के अपने काम कर सकेंगे।

चाबी की अंगूठी बनवाएं

चाबी की अंगूठी आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इसमें एक छोटा सा टैग हो सकता है, जिस पर आप अपना नाम, पता और फोन नंबर लिख सकते हैं।

अगर आप कहीं चाबी भूल भी जाते हैं तो कोई उन्हें पाएगा तो आपको वापस मिलवा देगा। इस तरह आप अपनी चाबियों को खोने से बचा सकते हैं और तनावमुक्त रह सकते हैं।इसके अलावा आप अपने घर की चाबियों को अलग-अलग रंगों की अंगूठियों से भी पहचान सकते हैं।

चाबी का छोटा सा डिब्बा रखें

अपने घर में एक छोटा सा डिब्बा रखें, जिसमें आप अपनी सभी जरूरी चीजें रख सकें जैसे कि चाबियां, मोबाइल फोन आदि।इस डिब्बे को दरवाजे के पास रखें ताकि जब भी आप घर आएं तो सबसे पहले इस डिब्बे में अपनी सारी चीजें रखें। इससे न केवल आपकी चीजें सुरक्षित रहेंगी बल्कि आपको बार-बार इधर-उधर ढूंढना भी नहीं पड़ेगा।इस तरह आप अपनी चीजों को व्यवस्थित रख सकते हैं और समय की बचत कर सकते हैं।

चाबी का हुक लगाएं

दरवाजे के पास एक छोटा सा हुक लगवा लें, जिस पर आप अपनी चाबी टांग सकें। इस तरह जब भी आप घर आएं तो तुरंत अपनी चाबी वहां टांग दें। इससे आपकी चाबी हमेशा उसी जगह मिलेगी जहां आपने उसे रखा था।इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बना सकते हैं और समय की बचत कर सकते हैं। इन तरीकों से आप बिना किसी तनाव के अपने काम कर सकेंगे।

स्टेज कैरिज बसों वाली नई दमनकारी परिवहन नीति को वापिस किए जाने की मांग

नर्मदापुरम बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री के नाम ज्ञापन एडीएम को सौंपते हुए मांग की है कि स्टेज कैरिज बसों के संचालन हेतु लाई जा रही नई दमनकारी परिवहन नीति से बस मालिकों को परेशानी होगी। मांग नहीं मानी जाने पर यह चेतावनी भी दी गई है कि 7 अगस्त रात्रि 12 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहकर अपनी बसों का संचालन बंद रखेंगे। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि सागर में प्रदेश के समस्त बस मालिकों तथा मध्यप्रदेश बस आनर्स एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक में विचार विमर्श के पश्चात् यह निर्णय लिया गया है कि स्टेज कैरिज बसों के संचालन हेतु लाई जा रही नई दमनकारी परिवहन नीति के कारण मध्यप्रदेश के समस्त बस मालिक आहत हैं। नर्मदापुरम बस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शिवहरे और संरक्षक राकेश फौजदार ने बताया कि बस मालिकों की समस्या के निदान हेतु बस संचालकगणों के द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों के समक्ष निवेदन कर चुके है परन्तु कोई भी हल नहीं निकल सका है। मजबूर हो कर बसों की हड़ताल करने का निर्णय लिया जा रहा है। इस कार्यवाही से जनता को होने वाली परेशानी का जिम्मेदार शासन रहेगा।

बस मालिकों की प्रमुख मांगें

मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 07-07-2026 में प्रकाशित स्कीम तुरंत

वापस हो यह स्कीम हमारे बस व्यवसाय को छीनने का प्रयास है। यह सबको बेरोजगारी में ढकेलने का सरकारी कार्य है। वर्ष 2021 में डीजल प्रति ली 69 रूपये था अब 100 रू प्रति ली है टायर स्पेयर पार्ट में भी भारी वृद्धि पर किराया बोर्ड की बैठक के बावजूद कोई निर्णय नहीं तत्काल किराये में वृद्धि की जाये। प्रस्तावित स्कीम के अंतर्गत दर्शित मार्गो के लिए जारी टेण्डर दिनांक 06-07-2026 को निरस्त किया जाये। मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 110 ;3 में दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन द्वारा केन्द्र सरकार के नियमों से समयबद्ध छूट देकर जो प्रदेश में 1200 बसें तैयार होकर खड़ी हैं उन्हें पंजीकृत करने का मार्ग प्रशस्त करें। जो बसे पंजीकृत हो गई उनके विरूद्ध कार्यवाही पर रोक लगाई जाये। पूर्व से संचालित बसों की 15 वर्ष आयु का बंधन परिमट देने एवं चलाने के लिए समाप्त किया जाये परमिट केंद्रीय मोटरयान अधिनियम के अनुसार फिटनेस की वैधता होने तक दिया जाये। परिवहन सचिव के निर्देश उपरांत भी परिवहन कार्यालय के अधिकारी कार्यालय में अधिकतर आते ही नहीं है या समय पर नहीं आते हैं बस आपरेटरों के परमिट नवीनीकरण परमिट ट्रांसफर अस्थाई परमिट एवं अन्य कार्य नहीं हो रहे हैं इससे बस आपरेटर अत्यधिक परेशान हैं। इस संबंध में तुंरत निर्देश जारी किये जाये।

अंतर्राज्यीय मार्गो पर परमिटों का नवीनीकरण नवीन अनुज्ञा की स्वीकृति नहीं हो रही है जबकि बसों का पूर्व से ही संचालन हो रहा था अत: परमिटों का नवीनीकरण अस्थाई परमिटों की स्वीकृति तथा नये परमिटों को स्वीकृत करने का कार्य शीघ्र किया जावे। उपरोक्त मांगों को शीघ्र से शीघ्र पूरा किया जाये। ज्ञापन देने तथा मांग करने वालों में संजय शिवहरे अध्यक्ष, राकेश फौजदार संरक्षक,गगन शिवहरे उपाध्यक्ष, रमाकांत वर्मा उपाध्यक्ष, नितेश मालवीय कोषाध्यक्ष, विजेन्द्र संकुल महामंत्रीशहनवाज खान सचिव, ईशेन्द्रप्रताप सिंह सचिव शामिल रहे।

बुधनी में ईएसआई अस्पताल की स्थापना हो- बुलुसु ईश्वर कुमार

बड़ी संख्या में कार्यरत हैं कंपनियों में कर्मचारी

नर्मदापुरम। बुदनी। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के बुधनी में श्रमिकों के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआई) द्वारा एक अस्पताल स्थापित किया जाए। बुधनी में 20 हजार से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। इसके अलावा यहां से 15 किलोमीटर दूर नर्मदापुरम जिले के श्रमिकों को भी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। केंद्र सरकार के अधीन संचालित होने वाले इस अस्पताल के लिए बुधनी में सरकारी जमीन उपलब्ध है। नर्मदापुरम में सरकारी भूमि उपलब्ध न होने के कारण जिला मुख्यालय में बनने वाला आयुष अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज पडोसी विधानसभा क्षेत्र सिवनी.मालवा में स्थानांतरित कर दिया गया था। बुधनी के सांसद और केंद्र में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान यदि पहल करें तो बुधनी में ईएसआई अस्पताल का सपना साकार हो सकता है। इस विषय में शीघ्र कार्यवाही करने की अपील सीनियर जर्नलिस्ट एवं सोशल वर्कर बुलुसु ईश्वर कुमार ने की है।(ईएसआई) की गणना कर्मचारी की कुल मासिक सैलरी के प्रतिशत के रूप में की जाती है कर्मचारी अपने वेतन का 1.75: योगदान देते हैं जबकि नियोक्ता 4.75: का योगदान देते हैं। यह कुल योगदान (ईएसआई) स्कीम के तहत स्वास्थ्य लाभ और मेडिकल कवरेज प्रदान करता है। पिछले वित्त वर्ष के लिए जिन 10 ईएसआई मेडिकल कॉलेज खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है उसमें उत्तरप्रदेश में नोएडा तथा वाराणसी, दिल्ली में बसई दारापुर, झारखंड के रांची, पंजाब के लुधियाना तथा मध्यप्रदेश का इंदौर शामिल है। इसमें यह भी देखा जाना चाहिए कि किस क्षेत्र में ज्यादा कर्मचारी हैं उनके बच्चे तथा उनके परिवार को भी लाभ मिल सके। इस पर भी केंद्र सरकार को चिंता करनी चाहिए। मप्र के बुदनी में मेडीकल कॉलेज बन रहा है उसके आसपास ही (ईएसआई) का एक अस्पताल बनाया जाना चाहिए। क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में श्रमिकों के वेतन से राशि कटती है उसका प्रतिफल भी तो उनके परिवार को मिलना चाहिए। सरकार के साथ मिलकर बुदनी की बड़ी बड़ी कंपनियां भी इस स्वास्थ्य से संबंधित कार्ययोजना में सहभागी बन सकती हैं। सिर्फ थोड़ी सी इच्छा शक्ति की आवयकता है।

नशे से दूर रहने की ली शपथ

नर्मदापुरम (निप्र)। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत शुक्रवार को समेरिटस स्कूल एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में खिलाड़ियों से नशा मुक्ति समाज बनाने की शपथ दिलाई गई। जिससे स्वास्थ्य और स्वच्छ समाज का निर्माण किया जा सके। इस कार्यक्रम में सचिन खम्परिया, एनआईएस हैंडबॉल कोच ऑस्कर एरिन मोजीस, विनोदकुमार साहू एवं वैशाली तिवारी उपस्थित रहे। समाज को नशा मुक्ति बनाने में खेल एवं खिलाड़ियों का बहुत बड़ा योगदान है।

उपार्जन केंद्र पर मिली अव्यवथाओं के संबंध में प्रबंधक एवं वेयरहाउस संचालकों को जारी किए जाएं नोटिस : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कलेक्टर ने किया चौतलाय स्थित मूंग उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा शनिवार को सिवनी मालवा विकासखंड के चौतलाय स्थित साईं कृपा वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपार्जन केन्द्र पर अव्यवस्थाएं पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित वेयरहाउस संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई के लिए प्रस्ताव तैयार किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही खरीदी प्रक्रिया में लापरवाही बरतने पर सिवनी मालवा विपणन संघ (मार्केटिंग समिति) के समिति प्रबंधक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वेयरहाउस के मुख्य प्रवेश द्वार पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को व्यवस्थित रूप से कतारबद्ध नहीं कराया जा रहा था। वहीं वेयरहाउस तक पहुंचने वाले मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे एवं जलभराव के कारण किसानों को उपज लेकर आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मौके पर उपस्थित किसानों ने भी बताया कि खरीदी

केंद्र पर उनके लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।एसडीएम सिवनी मालवा ने कलेक्टर को अवगत कराया कि उक्त वेयरहाउस की अव्यवस्थाओं के संबंध में पूर्व में भी वेयरहाउस संचालक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था, लेकिन इसके बावजूद आज तक कोई प्रभावी सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित वेयरहाउस के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि सिवनी मालवा विपणन संघ द्वारा संचालित खरीदी केंद्र पर पर्याप्त संख्या में तौल कांटे उपलब्ध नहीं होने से उपार्जन कार्य प्रभावित हो रहा है तथा किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। इस पर कलेक्टर ने समिति प्रबंधक के विरुद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने एवं परिसर में व्याप्त अन्य अव्यवस्थाओं की विस्तृत जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खरीदी स्थल पर तुलाई कार्य में अनावश्यक विलंब पाए जाने पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तत्काल पंचनामा तैयार करने के निर्देश भी दिए तथा अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपार्जन केंद्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही, अव्यवस्था अथवा किसानों के हितों की अनदेखी को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा संबंधितो के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की तैयारियों का कलेक्टर-एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

7 अगस्त को ग्वाड़ी ग्राम पंचायत में प्रस्तावित कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 7 अगस्त 2026 को तहसील सिवनी मालवा की ग्राम पंचायत ग्वाड़ी में आयोजित होने वाले प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा ने संयुक्त भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन एवं एसडीएम सिवनी मालवा विजय राय भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नर्मदापुरम में "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" कार्यक्रम का सफल आयोजन

विद्यार्थियों ने दी नशा मुक्ति और राष्ट्र निर्माण की प्रभावशाली प्रस्तुतियां

नर्मदापुरम (निप्र)। मेरा युवा भारत नर्मदापुरम एवं राष्ट्रीय सेवा योजना नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ, जिम्मेदार एवं राष्ट्र निर्माण में सहभागी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में जिले भर के विद्यार्थियों, युवाओं, एनएस स्वयंसेवकों एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में नशा मुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों का प्रभावी माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना नर्मदापुरम के पूर्व जिला संगठक डॉ. दिग्विजय सिंह खत्री रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नर्मदा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामकुमार चौकसे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. हर्षा चचानें और डॉ. बाधवा उपस्थित रहे। माय भारत समिति के सदस्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।मुख्य अतिथि डॉ. खत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, नशा छोड़ो और जिंदगी से नाता जोड़ो। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। डॉ. रामकुमार चौकसे ने कहा कि नशे से दूरी है जरूरी। उन्होंने कानून, स्वास्थ्य और परिवार पर नशे के दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. हर्षा चचानें ने उपस्थित सभी युवाओं को नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ दिलाई और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लेने का आग्रह किया।युवाओं की जागरूकता और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम के तहत 8 विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति, समूह सांस्कृतिक गतिविधियां एवं जागरूकता गतिविधियां शामिल रहीं। प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति, विकसित भारत, युवा शक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की संयोजकता डॉ. सुनील कुमार दिवाकर ने की। माय भारत नर्मदापुरम से सहयोगी स्वयंसेवक रानू उइके, शशांक दुबे, यशवंत दुबे, अनुज पटेल, अजय प्रजापति, आयुष मंडलोई, रंजना पटवा, रचित तिलोटिया, हरीश साध, जुगल किशोर भारतीय, प्रशांत मेहरा, सचिन सारोठिया सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त करते हुए माय भारत नर्मदापुरम की जिला युवा अधिकारी श्रद्धा मित्तल ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और सहयोगियों का धन्यवाद किया।

जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में आधुनिक फेको मशीन से मोतियाबिंद का सफल उपचार

अब सरकारी अस्पताल में मिलेगी निजी अस्पतालों जैसी अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा सुविधा

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम के नेत्र विभाग में अब अत्याधुनिक फेको (Phacoemulsification) मशीन के माध्यम से मोतियाबिंद का सफल उपचार किया जा रहा है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती ऋचा गौर द्वारा इस आधुनिक तकनीक से मरीजों के सफल ऑपरेशन किए जा रहे हैं। इससे नर्मदापुरम सहित आसपास के जिलों के मरीजों को अब सरकारी अस्पताल में ही निजी अस्पतालों जैसी आधुनिक, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती ऋचा गौर ने बताया कि फेको तकनीक वर्तमान समय में मोतियाबिंद के उपचार की सबसे उन्नत एवं सुरक्षित विधियों में से एक है। इस प्रक्रिया में अल्ट्रासोनिक तरंगों की सहायता से आंख के धुंधले प्राकृतिक लेंस (मोतियाबिंद) को मात्र 2 से 3 मिलीमीटर के छोटे चीरे के माध्यम से निकालकर उसकी जगह आधुनिक कृत्रिम इंट्राऑक्युलर लेंस (आईओएल) प्रत्यारोपित किया जाता है। छोटे चीरे के कारण सामान्यत: टांकों की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे मरीज को कम दर्द होता है और आंख तेजी से स्वस्थ होती है।

उन्होंने बताया कि फेको तकनीक से मोतियाबिंद का ऑपरेशन सामान्यत: 10 से 20 मिनट में पूरा हो जाता है। इस प्रक्रिया में संक्रमण का खतरा अपेक्षाकृत कम रहता है तथा अधिकांश मरीज उसी दिन घर लौट सकते हैं। ऑपरेशन के बाद दृष्टि में शीघ्र सुधार होने लगता है और कुछ ही दिनों में मरीज अपनी सामान्य दिनचर्या प्रारंभ कर सकता है। डॉ. गौर के अनुसार इस तकनीक के प्रमुख लाभों में छोटा चीरा, बिना टांकों के ऑपरेशन, कम दर्द, शीघ्र रिकवरी, संक्रमण का कम जोखिम तथा बेहतर एवं स्पष्ट दृष्टि शामिल हैं। आधुनिक कृत्रिम लेंस लगाए जाने से कई मरीजों की चश्मे पर निर्भरता भी कम हो सकती है।

नर्मदापुरम केंद्रीय जेल में गुरु पूर्णिमा पर प्राण ऊर्जा शिविर का आयोजन, कैदियों को सिखाई योग-ध्यान की विद्या

नर्मदापुरम (निप्र)।गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर केंद्रीय जेल नर्मदापुरम खण्ड अ में बंदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्राण ऊर्जा शिविर का आयोजन किया गया।यह शिविर अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर में प्राण योग के संस्थापक योगी योगानंद योगेन्द्र मिश्रा ने विशेष रूप से उपस्थित होकर बंदियों को प्राण ऊर्जा के माध्यम से उपचार की विधि बताई। श्री मिश्रा ने शिविर के दौरान हृदय रोग, किडनी रोग, साइटिका, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, आँखों की तकलीफ और मानसिक समस्याओं जैसी बीमारियों के तत्काल निवारण के लिए प्राण योग की तकनीकें सिखाईं। उन्होंने जेल में ही बंदियों को इस विद्या का अभ्यास कराया और उन्हें बिना दवा के भी स्वयं को स्वस्थ रखने के उपाय बताए। शिविर में जेल प्रशासन की ओर से संतोष सोलंकी, जेल अधीक्षक, प्रहलाद सिंह वरकडे, उप जेल अधीक्षक और अर्पित चौधरी, सहायक जेल अधीक्षक सहित समस्त जेल स्टाफ उपस्थित रहा। गायत्री परिवार की ओर से प्रेमलाल कुशवाह, जिला समन्वयक, सीहोर, महेश विजयवर्गीय, रामकुमार सोनी और दीनदयाल मौर्य ने कार्यक्रम में सहयोग किया।

कनकधारा वेयरहाउस में सरकारी मूंग में मिलावट पर वेयरहाउस सील एवं जिम्मेदारों के विरुद्ध FIR दर्ज, कलेक्टर के निर्देश पर कार्यवाही

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश अनुसार माखन नगर स्थित कनकधारा वेयरहाउस में जांच करने पर पाई गई अनियमिताओं के आधार पर उपार्जित मूंग में मिट्टी पर जाने के मामले में गुरुवार को संबंधितों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई। इस मामले में तीन लोगों पर फिर दर्ज की गई है तथा जांच प्रारंभ की गई है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर माखननगर स्थित कनकधारा वेयरहाउस, ग्राम गुराड़िया कला में समर्थन मूल्य पर संग्रहित लगभग 62,862 बोरी सरकारी मूंग के भंडारण की जांच हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नर्मदापुरम देवेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में डिप्टी कलेक्टर एवं जिला आपूर्ति अधिकारी सरोज परिहार एवं उप संचालक कृषि रविकांत सिंह तथा जिला विपणन अधिकारी अनिल जैन की एक संयुक्त जांच दल गठित किया गया था।

नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरुकता अभियान का समापन

नर्मदापुरम। समाज को नशामुक्त बनाने और नागरिकों विशेषकर युवाओं को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए गए 15 दिवसीय विशेष अभियान नशे से दूरी है जरूरी का शुक्रवार 31 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक समापन हो गया। 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चले इस अभियान का गरिमामयी समापन समारोह नर्मदापुरम के पुलिस लाइन स्थित वेलफेयर हॉल में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य रूप से अभिषेक राजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्नेहा चंदेल रक्षित निरीक्षकसूरज जमरा ईशान रिछारिया सूबेदार प्राचार्या शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी एवं बड़ी संख्या में जागरूक विद्यार्थी।

यह समाप्ति नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नशे की लत न केवल एक व्यक्ति बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य को अंधकार में धकेल देती है। उन्होंने पुलिस विभाग द्वारा अपराध नियंत्रण के साथ.साथ ऐसे सामाजिक जागरूकता अभियानों की महत्ता पर प्रकाश डाला। श्री राजन ने सभी को यह संदेश दिया कि इस अभियान का समापन कोई अंत नहीं हैए बल्कि यह एक शुरुआत है जिससे पूरा प्रदेश नशा मुक्ति की ओर मजबूती से अग्रसर होगा।

15 दिवसीय गतिविधियों का ब्यौरा

रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल द्वारा पिछले 15 दिनों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चलाई गई जन-जागरूकता गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें नुक्कड़ नाटकों और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जनता तक पहुँचाए गए संदेशों की जानकारी साझा की गई।

प्रतियोगिता एवं प्रमाण पत्र वितरण

समारोह के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर श्री राजन द्वारा उन प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गयाए जिन्होंने अभियान के तहत आयोजित चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026

बलराम कृषि महोत्सव

15 जुलाई से 13 नवंबर 2026

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अन्नदाता का सम्मान, आधुनिक कृषि के नवाचार और
प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक ही मंच पर समागम

नर्मदापुरम संभाग में महोत्सव

हरदा
1 अगस्त 2026

बैतूल
3 अगस्त

इटारसी (नर्मदापुरम)
5 अगस्त

किसान संवाद
सुझावों का आदान-प्रदान

सम्मान का गौरवपूर्ण मंच
उत्कृष्ट किसान, विद्यार्थी एवं सोशल मीडिया
इन्फ्लुएंसर्स का सम्मान

आधुनिक कृषि का प्रदर्शन
उन्नत कृषि तकनीकों की
नवीनतम जानकारियां

कृषि और संस्कृति का अनुपम संगम
देशभक्ति गीत, लोकनृत्य
और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

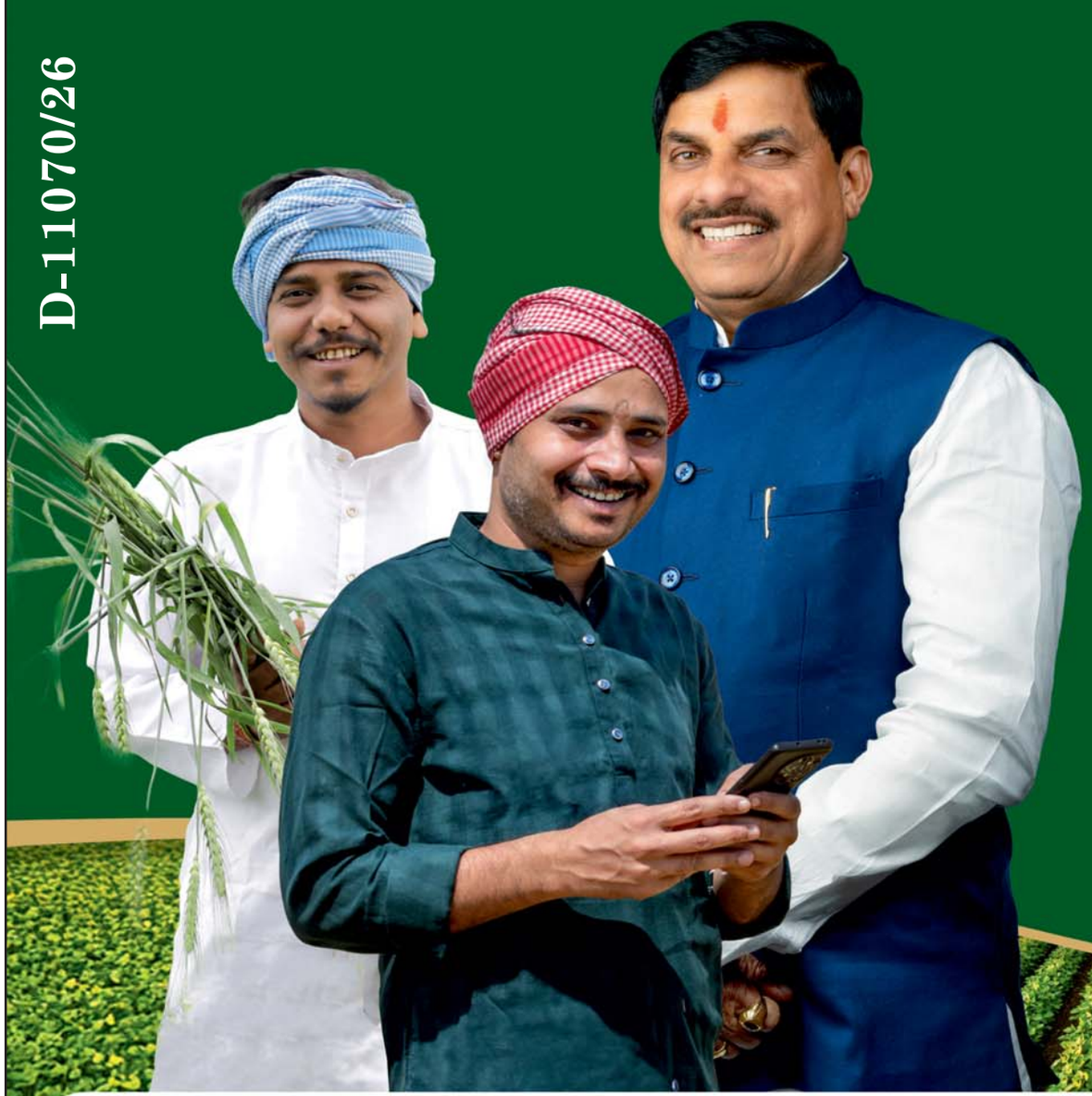

किसानों के हित में विभागों द्वारा कार्य

उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण
उद्यानिकी का रकबा 30 लाख हेक्टेयर एवं
उत्पादन 490 लाख मीट्रिक टन बढ़ाने का लक्ष्य

राजस्व
कृषि भूमि के भू-अर्जन पर बाजार दर से
4 गुना मुआवजा देने का निर्णय

पीएम किसान सम्मान, मुख्यमंत्री किसान
कल्याण में सालाना ₹12000 की सहायता

ऊर्जा
किसानों को ₹5 में बिजली के स्थाई कनेक्शन
एवं 10 हॉर्सपावर तक ऊर्जा प्रभार पर सब्सिडी

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु
60% तक प्रोत्साहन

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा
पीएम कुसुम योजना में 32 लाख
किसानों को सोलर पंप देने का लक्ष्य

कुटीर एवं ग्रामोद्योग
महिला एवं ग्रामीण युवाओं को कुटीर उद्योग
से जोड़कर स्वरोज़गार को बढ़ावा

मध्यप्रदेश पर्यटन
ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहन
1000 होम-स्टे बनाने का लक्ष्य

जनसम्पर्क
कृषक कल्याणकारी योजनाओं एवं
कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार

पशुपालन एवं डेयरी
दुग्ध संकलन प्रतिदिन 12 लाख लीटर से
बढ़ाकर 50 लाख लीटर करने का लक्ष्य

सहकारिता
5,562 दुग्ध समितियों का
वित्तीय समावेशन कर 83 हजार सदस्यों के
जिला सहकारी बैंकों में खाते खोले गए

0% ब्याज दर पर फसल ऋण,
भुगतान के लिए साल भर का समय

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन
कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना पर
50% तक सब्सिडी

मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास
₹6000 करोड़ के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य,
₹12,400 करोड़+ का आ रहा निवेश

जल संसाधन
55 लाख हेक्टेयर में सिंचाई को वर्ष 2028-29
तक 100 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य

नर्मदा घाटी विकास
नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से
सिंचाई परियोजनाओं को वित्त पोषण

संस्कृति
श्री अन्न, ग्रामीण व्यंजन एवं
स्थानीय परम्पराओं को प्रोत्साहन

D-11070/26

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. जनसम्पर्क/2026

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी